आईसीएसई-आईएससी परिणाम में उत्तराखंड की दमदार चमक

शिक्षा, ऊर्जा और संवेदनशीलता से बनती है *डॉ. गीतांजलि राघव* की कहानी

दिव्य हिमगिरि

हिमालयी राज्यों की पहली साप्ताहिक पत्रिका

नज़र सब पर

15th ANNIVERSARY

वर्ष 15 | अंक 50 | मूल्य 05 रुपये | 03-09 मई, 2026

देहरादून में 17 अवैध होमस्टे पर बड़ी कार्रवाई

उत्तराखंड को मिली 'रफ्तार' भरी दो खुशखबरी

दिव्य हिमगिरि

03-09 मई, 2026

संपादक
डॉ. कुँवर राज अस्थाना

वरिष्ठ संवाददाता
शंभूनाथ गौतम

संवाददाता
पूनम आर्या

विज्ञापन
सुनील सेमवाल

ग्राफिक डिजायनर
देव भट्ट

संवाददाता
हरिद्वार: डॉ. रजनीश गौतम
पौडी: रत्नमणि भट्ट
कोटद्वार: के.पी. बौंठियाल
रूद्रपुर: हेमचन्द्र बुडलाकोटी
चमोली: मुकेश रावत
रुड़की: श्रीगोपाल नारसन
नैनीताल: शीतल तिवारी
अल्मोड़ा: संजय कुमार अग्रवाल (एड.)
विकासनगर: अजय शर्मा
प्रसार: रमेश सिंह रावत

संपादकीय कार्यालय : 6, म्युनिसिपल रोड, बाला हिसार स्कूल के सामने, डालनवाला देहरादून (उत्तराखंड)
मोबाइल : +91 8433456398, 9410353164
Email: divyahimgiriddn@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक कुँवर बहादुर अस्थाना द्वारा सरस्वती प्रेस, 2, ग्रीन पार्क, निरंजनपुर, देहरादून से मुद्रित तथा 39/7 ई, ई. सी. रोड, (निकट मार्शल स्कूल सीनियर विंग) देहरादून-248001 उत्तराखण्ड से प्रकाशित।
संपादक: कुँवर बहादुर अस्थाना*
*(पीआरबी एक्ट के तहत प्रकाशित सामग्री के लिए उत्तरदायी)

रोमांच से मातम तक क्या प्रतिबंध काफी है?

मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित बरगी बांध में क्रूज नाव पलटने की घटना ने एक बार फिर यह कठोर सच सामने ला दिया है कि रोमांच की तलाश में निकली यात्राएं कितनी आसानी से मौत के सफर में बदल सकती हैं। यह हादसा केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि हमारी व्यवस्थागत कमियों और लापरवाही का आईना है, जिसने नागरिक सुरक्षा के दावों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सबसे चिंताजनक पहलू यह रहा कि हादसे के बाद प्रशासन के पास नाव में सवार लोगों की सटीक संख्या तक उपलब्ध नहीं थी। टिकटों के आधार पर जारी किए गए आंकड़े वास्तविक स्थिति को दर्शाने में असफल रहे, क्योंकि कई यात्रियों के साथ उनके बच्चे भी सवार थे, जिनका कोई आधिकारिक रिकॉर्ड नहीं था। यह स्पष्ट करता है कि बुनियादी सुरक्षा प्रोटोकॉल तक का पालन नहीं हो रहा था। सवाल उठता है कि क्या नौका संचालकों के लिए यह अनिवार्य नहीं होना चाहिए कि वे हर यात्री के साथ मौजूद बच्चों की संख्या का भी सही-सही विवरण दर्ज करें? आपात स्थिति में यह जानकारी राहत और बचाव कार्यों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। इसके साथ ही, प्रारंभिक रिपोर्ट्स यह भी संकेत देती हैं कि दुर्घटनाग्रस्त नाव पर पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं थे और मौसम के पूर्वानुमान की अनदेखी की गई थी। यदि यह सच है, तो यह केवल एक चूक नहीं, बल्कि गंभीर प्रशासनिक और परिचालन विफलता है। गुरुवार को आई तेज आंधी के बीच नाव का पलटना इस बात की ओर इशारा करता है कि मौसम संबंधी चेतावनियों को या तो नजरअंदाज किया गया या उनके अनुरूप कोई तैयारी नहीं थी। हादसे में जीवित बचे लोगों के अनुसार, अधिकांश यात्रियों ने जीवन रक्षक जैकेट नहीं पहनी थी और संकट के समय उन्हें बांटने की कोशिश की गई, जो कि बेहद देर से उठाया गया कदम था। यह स्थिति दर्शाती है कि सुरक्षा नियम केवल कागजों तक सीमित रह गए हैं। यह भी विचारणीय है कि जब नौका चालकों को प्रशिक्षण के दौरान सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन करने की शिक्षा दी जाती है, तो फिर व्यवहार में उनकी अनदेखी क्यों होती है? जल पर्यटन जैसे संवेदनशील क्षेत्र में मौसम पूर्वानुमान प्रणाली का अभाव भी एक गंभीर खामी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। राज्य सरकार ने हादसे के बाद क्रूज नावों के संचालन पर प्रतिबंध लगा दिया है, लेकिन यह कदम समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। केवल प्रतिबंध लगाना आसान उपाय हो सकता है, परंतु दीर्घकालिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ठोस और व्यवस्थित सुधार आवश्यक हैं। जरूरत इस बात की है कि सभी राज्य इस हादसे से सबक लें और जल पर्यटन से जुड़े नियमों, निगरानी तंत्र और सुरक्षा व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करें। अन्यथा, ऐसे हादसे बार-बार होते रहेंगे और हर बार कुछ परिवार अपने अपनों को खोकर केवल सवालों के साथ रह जाएंगे।

डॉ. कुँवर राज अस्थाना

शिक्षा, ऊर्जा और संवेदनशीलता से बनती है डॉ. गीतांजलि राघव की कहानी

डॉ. गीतांजलि राघव

सहायक प्रोफेसर:
चयन श्रेणी
वरिष्ठ प्रबंधक:
आईक्यूएसी, प्रत्यायन एवं रैंकिंग,
यूपीईएस बीईई प्रमाणित ऊर्जा प्रबंधक
संस्थापक:
नायरा फ्रेश फार्म, एक वजह

अपनी पारिवारिक और शैक्षणिक पृष्ठभूमि के बारे में बताएं?

मैं एक मध्यमवर्गीय, शिक्षित और संस्कारवान परिवार से आती हूँ। मेरे पिता सरकारी सेवा में कार्यरत हैं और मेरी माता जी घर पर बच्चों को शिक्षण कार्य कराती हैं। बचपन से ही मैंने अपने घर में शिक्षा का महत्व बहुत करीब से देखा है। मेरी माता जी को बच्चों को पढ़ाते हुए देखकर मेरे भीतर शिक्षा के प्रति समर्पण और दूसरों को मार्गदर्शन देने की भावना विकसित हुई, वहीं मेरे पिता से मैंने अनुशासन, जिम्मेदारी और ईमानदारी जैसे मूल्यों को सीखा। इन्हीं मूल्यों के साथ मैंने अपनी शिक्षा पूरी की- यांत्रिक अभियंत्रण में पीएच.डी. (सौर तापीय प्रौद्योगिकी), ऊष्मा अभियंत्रण में परास्नातक (स्वर्ण पदक), तथा स्नातक में विश्वविद्यालय में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। मेरा अध्ययन और अनुसंधान मुख्यत: ऊर्जा, सतत विकास और नवाचार के क्षेत्र पर केंद्रित रहा है, जिसने मेरे कार्यक्षेत्र की मजबूत नींव रखी। इसके अतिरिक्त, मैं ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा प्रमाणित ऊर्जा प्रबंधक तथा कार्बन प्रमाणीकरण में प्रमुख सत्यापनकर्ता भी हूँ।

अपने कार्यक्षेत्र के बारे में बताएं। आप इस क्षेत्र में कैसे आई और किससे प्रेरित हुई?

वर्तमान में मैं यूपीईएस, देहरादून में सहायक प्राध्यापक (चयन श्रेणी) तथा आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (मान्यता एवं रैंकिंग) में वरिष्ठ प्रबंधक के रूप में कार्यरत हूँ। मैं पिछले एक दशक से अधिक समय से ऊर्जा और सतत विकास के क्षेत्र में कार्य कर रही हूँ, जिसमें अक्षय ऊर्जा तथा ऊर्जा लेखा-परीक्षण परियोजनाओं पर मेरा विशेष ध्यान रहा है। इस क्षेत्र में आने की प्रेरणा मुझे मेरे अनुभवों से मिली। जब मैंने यह समझा कि ऊर्जा, शिक्षा और नवाचार के माध्यम से समाज में वास्तविक और स्थायी परिवर्तन लाया जा सकता है, तब मैंने इसे अपने जीवन का उद्देश्य बना लिया। विशेष रूप से उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में कार्य करते हुए मैंने जमीनी स्तर की चुनौतियों को निकट से समझा। इन अनुभवों ने मुझे अपने कार्य को केवल तकनीकी दायरे तक सीमित न रखकर, उसे सामाजिक प्रभाव और नवाचार से जोड़ने के लिए प्रेरित किया।

अपनी प्रमुख उपलब्धियों के बारे में बताएं।

मेरे कार्यकाल में अनुसंधान, शिक्षण, ऊर्जा परियोजनाओं तथा संस्थागत विकास के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ रही हैं। मैं ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा प्रमाणित ऊर्जा प्रबंधक तथा कार्बन प्रमाणीकरण में प्रमुख सत्यापनकर्ता के रूप में वर्षों से ऊर्जा क्षेत्र में सक्रिय हूँ। विशेष रूप से, मैंने उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में अनेक ऊर्जा निरीक्षण और लेखा-परीक्षण परियोजनाओं पर कार्य किया है। इन परियोजनाओं ने मुझे जमीनी स्तर की वास्तविक चुनौतियों विशेषकर ग्रामीण महिलाओं की परिस्थितियों को समझने का अवसर दिया। मेरी सबसे विशेष उपलब्धि मेरा सामाजिक संगठन "एक वजह" है, जिसके माध्यम से हम जरूरतमंद और प्रतिभाशाली बालिकाओं की शिक्षा में सहयोग करते हैं। हाल ही में, हमने आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभाशाली छात्राओं को सहयोग प्रदान किया। उनकी आँखों में अपने सपनों को साकार करने की चमक देखना मेरे लिए किसी भी सम्मान से अधिक मूल्यवान है। इसके अतिरिक्त, मैंने "नायरा फ्रेश फार्म" नामक एक उद्यम की स्थापना की है, जो खेत से सीधे घर तक उत्पाद उपलब्ध कराने की व्यवस्था पर आधारित है। इस पहल की विशेषता यह है कि इसमें पूरी तरह महिला कार्यबल कार्यरत है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को रोजगार देकर उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। मेरे लिए ये सभी प्रयास केवल उपलब्धियाँ नहीं, बल्कि समाज में स्थायी और सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में उठाए गए सार्थक कदम हैं।

आपके भविष्य की योजनाएँ क्या हैं?

भविष्य में मेरा लक्ष्य सतत विकास, ऊर्जा दक्षता और सामाजिक प्रभाव को एक साथ लेकर आगे बढ़ना है। मैं ऐसी परियोजनाओं पर कार्य करना चाहती हूँ जो कार्बन तटस्थता, अक्षय ऊर्जा के प्रसार और सतत समुदायों के निर्माण को बढ़ावा दें। साथ ही, मैं अपने सामाजिक संगठन "एक वजह" और उद्यम "नायरा फ्रेश फार्म" का विस्तार करना चाहती हूँ, ताकि अधिक से अधिक बालिकाओं की शिक्षा में सहयोग किया जा सके और ग्रामीण महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाए जा सकें। मेरा उद्देश्य शिक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण के माध्यम से समाज में दीर्घकालिक और सकारात्मक परिवर्तन लाना है।

आप हमारी पत्रिका के माध्यम से क्या संदेश देना चाहेंगी?

मैं युवाओं से यही कहना चाहूँगी कि वे अपने सपनों के साथ-साथ समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को भी समझें। सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धियों तक सीमित नहीं होनी चाहिए वह तभी सार्थक होती है जब उससे दूसरों के जीवन में भी सकारात्मक परिवर्तन आए। यदि हम अपने ज्ञान, कौशल और संसाधनों का उपयोग समाज के हित में करें, विशेषकर शिक्षा और महिला सशक्तिकरण के लिए, तो हम एक अधिक समावेशी, सशक्त और बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकते हैं।

उत्तराखंड को मिली 'रफ्तार' भरी दो खुशखबरी

शंभू नाथ गौतम
वरिष्ठ पत्रकार

देहरादून-दिल्ली के बीच हाल ही में शुरू हुए नए एक्सप्रेस मार्ग ने उत्तराखंड की कनेक्टिविटी को नई पहचान दी ही थी कि अब राज्य को दो और बड़ी खुशखबरी मिल गई हैं। रफ्तार के साथ उत्तराखंड को मिली दो खुशखबरी विकास की इस रेखा को और मजबूत कर रही हैं। एक ओर ऋषिकेश से कर्णप्रयाग तक बहुप्रतीक्षित रेल परियोजना तेजी से अंतिम चरण में पहुंच चुकी है और वर्ष 2027 की शुरुआत में इस पर परीक्षण रेल चलाने की तैयारी है, जिससे पहाड़ों की दूरी और समय दोनों कम होंगे। दूसरी ओर उत्तर प्रदेश से हरिद्वार तक जुड़ने वाला गंगा एक्सप्रेसवे मार्ग राज्य के प्रवेश को और सुगम बनाएगा, जिससे मैदान से पहाड़ तक संपर्क और मजबूत होगा। इन परियोजनाओं का सीधा लाभ चारधाम यात्रा, पर्यटन, व्यापार और स्थानीय लोगों को मिलेगा। कुल मिलाकर सड़क और रेल की यह तिहरी रफ्तार उत्तराखंड को विकास के नए युग में ले जाने वाली साबित हो रही है।

देहरादून-दिल्ली के बीच हाल ही में शुरू हुए नए एक्सप्रेस मार्ग ने उत्तराखंड की कनेक्टिविटी को नई पहचान दी ही थी कि अब राज्य को दो और बड़ी सौगातें मिल गई हैं। सड़क के बाद अब रेल और नए मार्ग के जरिए पहाड़ों की दूरी और समय दोनों सिमटने वाले हैं। एक ओर ऋषिकेश से कर्णप्रयाग तक बहुप्रतीक्षित रेल परियोजना निर्णायक चरण में पहुंच चुकी है और वर्ष 2027 की शुरुआत में इस पर परीक्षण रेल दौड़ाने की तैयारी है, वहीं दूसरी ओर उत्तर प्रदेश से हरिद्वार तक जुड़ने वाला गंगा मार्ग उत्तराखंड के लिए संपर्क का नया द्वार खोलने जा रहा है। इन दोनों परियोजनाओं के साथ राज्य में विकास की रफ्तार तेज होती दिख रही है और आम जनजीवन से लेकर पर्यटन, व्यापार और आस्था से जुड़े क्षेत्रों में बड़ा बदलाव आने की उम्मीद है। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना उत्तराखंड के लिए केवल एक परिवहन साधन नहीं, बल्कि विकास की रीढ़ साबित होने जा रही है। करीब 125 किलोमीटर लंबी यह रेल लाइन वर्षों से प्रतीक्षित थी, जो अब जमीन पर आकार ले रही है। इस परियोजना के पूरा होने के बाद ऋषिकेश से कर्णप्रयाग का लगभग 6 घंटे का सफर घटकर महज 2 घंटे रह जाएगा। इसका सीधा लाभ देहरादून, टिहरी गढ़वाल, पौड़ी गढ़वाल, रुद्रप्रयाग और चमोली जैसे पहाड़ी जिलों को मिलेगा। मई 2026 से शिवपुरी-ब्यासी के बीच करीब 13 किलोमीटर लंबे हिस्से पर पटरियां बिछाने का काम शुरू किया जा रहा है। इसी हिस्से पर सबसे पहले परीक्षण रेल चलाई जाएगी। अधिकारियों के अनुसार दिसंबर 2026 या जनवरी 2027 तक परीक्षण संभव है। पूरी परियोजना को वर्ष 2028 के अंत तक कर्णप्रयाग तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस परियोजना की सबसे बड़ी विशेषता इसकी जटिल पहाड़ी संरचना है। कुल मार्ग का लगभग 83 प्रतिशत हिस्सा सुरंगों से होकर गुजरेगा। 16 मुख्य सुरंगों और 12 सहायक सुरंगों का निर्माण किया जा रहा है, जिनमें से अधिकांश का कार्य पूरा हो चुका है। इसके अलावा 19 बड़े और 31 छोटे पुल भी बनाए जा रहे हैं। यह पूरी परियोजना इंजीनियरिंग का एक अद्भुत उदाहरण बनकर उभर रही है। परियोजना के तहत कुल 13 रेलवे स्टेशन विकसित किए जा रहे हैं। ऋषिकेश के वीरभद्र और योगनगरी स्टेशनों से अभी रेल संचालन हो रहा है, जबकि शिवपुरी और ब्यासी में निर्माण कार्य जारी है। देवप्रयाग, श्रीनगर, गौचर और कर्णप्रयाग जैसे प्रमुख स्थानों पर भी तेजी से काम आगे बढ़ रहा है। कर्णप्रयाग को इस मार्ग का सबसे बड़ा केंद्र बनाया जाएगा। इस रेल लाइन के शुरू होने से चारधाम यात्रा को नई दिशा मिलेगी। अभी जहां यात्रियों को लंबी और कठिन सड़क यात्रा करनी पड़ती है, वहीं रेल सुविधा आने से यात्रा का समय और कठिनाई दोनों कम होंगे। भूस्खलन और खराब मौसम के दौरान भी यह संपर्क बनाए रखने में मदद करेगी।

मेरठ से हरिद्वार तक होगा गंगा एक्सप्रेसवे का विस्तार, पीएम मोदी ने किया एलान

जहां एक ओर ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना पहाड़ों के भीतर संपर्क को नई मजबूती दे रही है, वहीं दूसरी ओर गंगा मार्ग और गंगा एक्सप्रेसवे उत्तराखंड को देश के बड़े मैदानी इलाकों से जोड़ने में अहम

ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना से पहाड़ों में आसान होगा सफर

ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना का सबसे बड़ा असर चारधाम यात्रा पर देखने को मिलेगा। वर्तमान में बद्रीनाथ और केदारनाथ जैसे धामों तक पहुंचने में लंबा समय और कठिन सफर तय करना पड़ता है, लेकिन रेल लाइन बनने के बाद यात्री कम समय में रुद्रप्रयाग और कर्णप्रयाग तक पहुंच सकेंगे, जिससे यात्रा कई घंटों तक घट जाएगी। इससे सड़क पर दबाव कम होगा और यात्रियों को सुरक्षित व सुविधाजनक विकल्प मिलेगा। खासकर बुजुर्ग और दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए यह सुविधा बेहद राहत देने वाली होगी। इसके साथ ही पर्यटन को भी बड़ा बढ़ावा मिलेगा। उत्तराखंड के दूरस्थ और खूबसूरत क्षेत्रों तक पहुंच आसान हो जाएगी, जिससे स्थानीय व्यापार और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। होटल, परिवहन और छोटे कारोबारियों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। रेल परियोजना का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह हर मौसम में संपर्क बनाए रखने में सक्षम होगी। पहाड़ों में अक्सर बारिश, भूस्खलन और जाम के कारण सड़क मार्ग बाधित हो जाता है, लेकिन रेल सेवा इस समस्या को काफी हद तक कम करेगी। इसके अलावा आपदा या आपातकालीन स्थितियों में भी यह रेल लाइन बेहद उपयोगी साबित होगी। राहत और बचाव कार्यों को तेज करने में मदद मिलेगी और आवश्यक सामग्री को समय पर पहुंचाया जा सकेगा। साथ ही, यात्रा का समय निश्चित और भरोसेमंद होने से श्रद्धालुओं की योजना बनाना आसान होगा। इससे चारधाम यात्रा अधिक सुव्यवस्थित, सुरक्षित और आधुनिक बन सकेगी।

भूमिका निभाने जा रहे हैं। यह परियोजना उत्तराखंड के प्रवेश द्वार हरिद्वार को सीधे पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से जोड़कर यात्रा को पहले से कहीं अधिक आसान और तेज बना देगी। बुधवार, 29 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीने हरदोई में गंगा एक्सप्रेसवे के उद्घाटन के दौरान यह घोषणा की कि इस मार्ग को आगे बढ़ाते हुए मेरठ से हरिद्वार तक जोड़ा जाएगा। यह ऐलान उत्तराखंड के लिए एक बड़ी सौगात माना जा रहा है, क्योंकि इससे राज्य की कनेक्टिविटी में ऐतिहासिक सुधार होगा। गंगा एक्सप्रेसवे मूल रूप से प्रयागराज से मेरठ तक विकसित किया गया है, लेकिन इसके विस्तार की योजना इसे उत्तराखंड के हरिद्व ार तक ले जाने की है। मेरठ से शुरू होकर यह मार्ग मुजफ्फरनगर और बिजनौर के रास्ते उत्तराखंड की सीमा तक पहुंचेगा और फिर हरिद्वार से जुड़ जाएगा। इससे दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों से आने वाले यात्रियों को सीधा और सुगम मार्ग मिलेगा। इस मार्ग के बनने से यात्रा का समय काफी कम हो जाएगा। अभी जहां दिल्ली से हरिद्वार पहुंचने में कई घंटे लगते हैं और यातायात जाम की समस्या रहती है, वहीं एक्सप्रेसवे बनने के बाद यह सफर तेज और आरामदायक हो जाएगा। इससे खासतौर पर हरिद्वार और ऋषिकेश आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बड़ी राहत मिलेगी। गंगा एक्सप्रेसवे का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि यह कई जिलों को जोड़ते हुए क्षेत्रीय विकास को गति देगा। मेरठ से निकलकर यह मार्ग मुजफ्फरनगर के खतौली, जानसठ और आसपास के क्षेत्रों से होकर गुजरेगा। इसके बाद बिजनौर जिले के मंडावर, चांदपुर और नजीबाबाद क्षेत्र को जोड़ते हुए यह उत्तराखंड की सीमा की ओर बढ़ेगा। आगे चलकर यह हरिद्वार जिले के लक्सर और कनखल क्षेत्र से जुड़ने की योजना में है। इस परियोजना का प्रभाव केवल यात्रा तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि व्यापार, उद्योग और पर्यटन को भी नई दिशा देगा। बेहतर सड़क संपर्क से माल ढुलाई आसान होगी, जिससे स्थानीय कारोबार को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, हरिद्वार और ऋषिकेश जैसे धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर आने वाले लोगों की संख्या में भी बढ़ोतरी होगी। आपातकालीन परिस्थितियों में भी यह मार्ग काफी उपयोगी साबित होगा। चौड़ी और आधुनिक सड़कें राहत और बचाव कार्यों को तेजी से पूरा करने में मदद करेंगी। प्राकृतिक आपदाओं के समय वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध होना उत्तराखंड जैसे पहाड़ी राज्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। देहरादून-दिल्ली मार्ग, ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन और गंगा एक्सप्रेसवे का विस्तार इन तीनों परियोजनाओं ने मिलकर उत्तराखंड की कनेक्टिविटी को एक नई पहचान दी है। सड़क और रेल का यह मजबूत जाल न केवल दूरी घटाएगा, बल्कि राज्य के आर्थिक और सामाजिक विकास को भी नई ऊंचाई तक ले जाएगा। आने वाले समय में उत्तराखंड तेज, सुरक्षित और आधुनिक संपर्क व्यवस्था के साथ देश के अग्रणी राज्यों में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराएगा।

दून में बार बंदी को लेकर पुलिस अफसरों की टकराहट

देहरादून की पॉश राजपुर रोड पर स्थित रोमियो लेन बार में देर रात चली कार्रवाई ने उत्तराखंड पुलिस के भीतर एक असहज सच्चाई को सामने ला दिया है। 26 अप्रैल की रात 'नाइट स्ट्राइक' के तहत तय समय के बाद खुले बार को बंद कराने पहुंची पुलिस टीम की कार्रवाई अचानक उस वक्त सुर्खियों में आ गई, जब मौके पर ही दो बड़े अधिकारियों के बीच कथित टकराव की बात सामने आई। आरोप है कि कार्रवाई के दौरान पुलिस महानिरीक्षक गढ़वाल राजीव स्वरूप की मौजूदगी में कुछ देर के लिए कार्रवाई प्रभावित हुई, जबकि बाद में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र डोबाल को खुद मौके पर पहुंचकर स्थिति संभालनी पड़ी। घटना ने महज नियम उल्लंघन से आगे बढ़कर पुलिस व्यवस्था के भीतर समन्वय, अधिकार और अनुशासन पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। दोनों पक्षों ने अपने-अपने स्तर पर सफाई दी है, लेकिन मामला अब पुलिस मुख्यालय तक पहुंच चुका है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) डॉ. वी. मुरुगेशन ने पुलिस महानिरीक्षक और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से 24 घंटे में रिपोर्ट तलब की है, हालांकि रिपोर्ट अभी सामने नहीं आई है। वहीं सच्चाई तक पहुंचने के लिए सीसीटीवी फुटेज की जांच भी शुरू कर दी गई है। अब नजर इस बात पर है कि आखिर उस रात हुआ क्या था और जवाब किसके पक्ष में जाता है। दिव्य हिमगिरि रिपोर्ट।

राजधानी देहरादून की सजी-धजी राजपुर रोड, जहां देर रात तक शहर की रफ्तार थमती नहीं, वहीं एक बार की कार्रवाई ने पूरे पुलिस महकमे में हलचल मचा दिया। रोमियो लेन बार पर हुई यह कार्रवाई अब महज एक 'नाइट स्ट्राइक' का हिस्सा नहीं रही, बल्कि यह मामला उस मोड़ पर पहुंच गया है जहां सवाल सिर्फ नियमों का नहीं, बल्कि सिस्टम के भीतर तालमेल और अधिकारों की सीमा का भी है। 26 अप्रैल की रात, जब शहर में पुलिस टीमें बार और रेस्टोरेंट्स की तय समय सीमा के अनुपालन की जांच कर रही थीं, उसी दौरान इस बार के तय समय के बाद खुले होने की सूचना मिली। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और कार्रवाई शुरू हुई। बताया गया कि बार रात 1 बजे तक संचालित हो रहा था, जबकि नियमों के अनुसार इसे रात 12 बजे तक बंद होना चाहिए था। कार्रवाई के दौरान माहौल तब अचानक बदल गया, जब मौके पर आईजी गढ़वाल राजीव स्वरूप की मौजूदगी की बात सामने आई। आरोप लगे कि उन्होंने कार्रवाई पर सवाल उठाए, जिससे कुछ समय के लिए पुलिस की कार्रवाई धीमी पड़ गई। हालांकि इस बीच स्थिति संभालने के लिए एसएसपी देहरादून प्रमेन्द्र डोबाल को खुद मौके पर पहुंचना पड़ा और अंततः बार को बंद कराया गया। इस पूरी घटना ने पुलिस विभाग के भीतर समन्वय पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। आमतौर पर उत्तराखंड जैसे अपेक्षाकृत शांत राज्य में इस स्तर के अधिकारियों के बीच इस तरह का सार्वजनिक विवाद कम ही देखने को मिलता है। यही वजह है कि मामला तेजी से चर्चा का विषय बन गया। आईजी राजीव स्वरूप ने अपने ऊपर लगे आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि वह उस समय अपने परिवार के साथ उस क्षेत्र से गुजर रहे थे। उन्होंने बताया कि एक ही जगह भारी पुलिस बल की तैनाती देखकर उन्होंने सामान्य तौर पर जानकारी लेनी चाही थी। उनके मुताबिक, उनके खिलाफ फैलाई जा रही बातें भ्रामक हैं और वास्तविकता से उनका कोई लेना-देना नहीं है। वहीं दूसरी ओर एसपी सिटी प्रमोद कुमार ने भी स्पष्ट किया कि वह उस समय सीधे मौके पर मौजूद नहीं थे और अलग-अलग टीमों के जरिए अभियान चलाया जा रहा था। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर उनका नाम जोड़कर जो बातें कही जा रही हैं, वे सही नहीं हैं। घटना ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या मौके पर मौजूद अधिकारियों के बीच संवाद की कमी थी या फिर आदेशों को लेकर कोई भ्रम की स्थिति बनी। शहर के बीचोंबीच हुई इस घटना ने पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर आम लोगों के बीच भी चर्चा को जन्म दे दिया है। इस पूरे घटनाक्रम ने आम जनता के बीच यह सवाल खड़ा कर दिया है कि जब वरिष्ठ स्तर के अधिकारी ही एक मत नहीं दिखते, तो जमीनी स्तर पर कानून व्यवस्था कितनी प्रभावी रह पाएगी। खासकर ऐसे समय में जब राज्य में पर्यटन सीजन और चारधाम यात्रा जैसे बड़े आयोजन शुरू होने वाले हैं, पुलिस की एकजुटता और स्पष्ट कार्रवाई बेहद अहम मानी जाती है।

पुलिस मुख्यालय सख्त, सीसीटीवी जांच से खुलेगा सच, रिपोर्ट का इंतजार

मामला तूल पकड़ने के बाद पुलिस मुख्यालय ने इसमें तत्काल हस्तक्षेप किया है। एडीजी (कानून-व्यवस्था) डॉ. वी. मुरुगेशन ने आईजी गढ़वाल और एसएसपी देहरादून दोनों से 24 घंटे के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी। हालांकि खबर लिखे जाने तक यह रिपोर्ट मुख्यालय को प्राप्त नहीं हुई है और सभी की नजर अब उसी पर टिकी हुई है।पुलिस मुख्यालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि पूरे घटनाक्रम की सच्चाई जानने के लिए मौके के सीसीटीवी फुटेज की जांच कराई जा रही

है। यह जांच इस बात को स्पष्ट करेगी कि कार्रवाई के दौरान वास्तव में क्या हुआ, किस स्तर पर क्या निर्देश दिए गए और क्या किसी स्तर पर कार्रवाई में बाधा आई। मुख्यालय इस मामले को केवल अनुशासन के नजरिए से नहीं, बल्कि पुलिसिंग के पेशेवर मानकों के आधार पर भी देख रहा है। यह जांच यह तय करेगी कि क्या किसी अधिकारी ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर हस्तक्षेप किया या फिर यह केवल एक सामान्य स्थिति थी जिसे गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया। उत्तराखंड पुलिस में इस तरह के मामलों को गंभीरता से लिया जाता है, क्योंकि यहां की कार्यप्रणाली आमतौर पर समन्वित और शांत मानी जाती है। ऐसे में यह मामला विभाग के लिए एक 'टेस्ट केस' की तरह भी देखा जा रहा है, जिसमें यह तय होगा कि भविष्य में इस तरह की परिस्थितियों से कैसे निपटा जाए। इस पूरे घटनाक्रम ने यह भी दिखाया है कि जमीनी स्तर पर चल रही कार्रवाई और उच्च अधिकारियों के बीच बेहतर कम्युनिकेशन कितना जरूरी है। यदि आदेश और अधिकार स्पष्ट न हों, तो ऐसी स्थिति दोबारा भी बन सकती है। फिलहाल, पूरे मामले की सच्चाई अब उस रिपोर्ट और सीसीटीवी फुटेज पर निर्भर है, जो आने वाले समय में तस्वीर को साफ करेगी। तब तक यह मामला न सिर्फ देहरादून, बल्कि पूरे उत्तराखंड के पुलिस महकमे में चर्चा का केंद्र बना रहेगा।

देहरादून में 17 अवैध होमस्टे पर बड़ी कार्रवाई

राजधानी देहरादून में प्रशासन ने अवैध रूप से संचालित हो रहे होमस्टे के खिलाफ बड़ा अभियान चलाते हुए 17 इकाइयों पर सख्त कार्रवाई की है। 'ऑपरेशन सफाई' के तहत जिलाधिकारी सविन बंसल के निर्देश पर इन होमस्टे का पंजीकरण निरस्त कर दिया गया और उन्हें पर्यटन विभाग की सूची से हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जांच में सामने आया कि कई होमस्टे नियमों की अनदेखी करते हुए होटल और पार्टी स्पॉट की तरह संचालित हो रहे थे, जहां देर रात तक डीजे, अवैध बार और हुड़दंग जैसी गतिविधियां चल रही थीं। इससे स्थानीय लोगों की शांति भंग होने के साथ ही कानून-व्यवस्था पर भी असर पड़ रहा था। प्रशासन की यह कार्रवाई न केवल अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने की दिशा में बड़ा कदम मानी जा रही है, बल्कि इससे यह भी साफ संदेश गया है कि पर्यटन के नाम पर नियमों से खिलवाड़ अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दिव्या हिमगिरी रिपोर्ट।

देहरादून में जिला प्रशासन द्वारा चलाया गया 'ऑपरेशन सफाई' महज एक औपचारिक कार्रवाई नहीं, बल्कि एक सुनियोजित और बहुस्तरीय अभियान था, जिसने होमस्टे व्यवस्था की जमीनी हकीकत को उजागर कर दिया। पिछले कुछ महीनों से लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि शहर के कई इलाकों में होमस्टे के नाम पर होटल जैसे व्यवसाय चलाए जा रहे हैं। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने जांच शुरू की और महज सात दिनों के भीतर मजिस्ट्रेट स्तर की पांच टीमों का गठन कर विभिन्न क्षेत्रों में छापेमारी कराई गई। जांच में सामने आया कि कई होमस्टे संचालक सरकार द्वारा निर्धारित मूल नियमों को पूरी तरह दरकिनार कर चुके थे। जहां होमस्टे का उद्देश्य सीमित कमरों के साथ पारिवारिक माहौल में पर्यटकों को ठहराना होता है, वहीं इन स्थानों पर बड़े पैमाने पर व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जा रही थीं। देर रात तक तेज आवाज में संगीत, डीजे पार्टियां और अवैध बार संचालन जैसी गतिविधियां आम हो गई थीं। इससे न केवल आसपास के लोगों को परेशानी हो रही थी, बल्कि कई जगहों पर कानून-व्यवस्था की स्थिति भी बिगड़ती दिखी। प्रशासन के मुताबिक, कुछ स्थानों पर नशे में धुत लोगों द्वारा हुड़दंग, ओवरस्पीड ड्राइविंग और यहां तक कि फायरिंग जैसी घटनाएं भी सामने आईं। ऐसे मामलों ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी थी, क्योंकि यह सीधे तौर पर शहर की सुरक्षा से जुड़ा विषय बन चुका था। जांच के दौरान यह भी पाया गया कि कई होमस्टे में सुरक्षा मानकों का घोर अभाव था। अग्निशमन उपकरण या तो मौजूद नहीं थे या उनकी समय-सीमा समाप्त हो चुकी थी। खाद्य सुरक्षा के नियमों का भी बड़े पैमाने पर उल्लंघन सामने आया। कई होमस्टे बिना फूड लाइसेंस के भोजन परोस रहे थे, जबकि कुछ जगहों पर तो रसोई तक उपलब्ध नहीं थी। इसके अलावा, विदेशी पर्यटकों के ठहरने की स्थिति में अनिवार्य सी-फॉर्म की जानकारी भी कई संचालकों द्वारा नहीं दी जा रही थी, जो सुरक्षा के लिहाज से गंभीर लापरवाही मानी जाती है। एक और चौंकाने वाला तथ्य यह सामने आया कि कई होमस्टे मालिक स्वयं वहां निवास नहीं कर रहे थे। उन्होंने अपनी संपत्तियों को किराए या लीज पर देकर उसे पूरी तरह व्यावसायिक रूप में बदल दिया था। कुछ स्थानों पर इनका उपयोग बारात घर और पार्टी वेन्यू के रूप में किया जा रहा था, जो नियमों का खुला उल्लंघन है। यह कार्रवाई सहसपुर, रायपुर और मसूरी से

जुड़े शहरी क्षेत्रों तक फैली हुई थी, जहां हर जगह कमोबेश एक जैसी अनियमितताएं देखने को मिलीं। प्रशासन ने इन सभी मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए 17 होमस्टे का पंजीकरण निरस्त कर दिया और आगे भी निगरानी जारी रखने की बात कही है।

जिलाधिकारी सविन बंसल ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि होमस्टे योजना का उद्देश्य स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध कराना और क्षेत्रीय संस्कृति को बढ़ावा देना है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि कोई इस योजना का दुरुपयोग कर अवैध होटल व्यवसाय चलाने की कोशिश करेगा, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उत्तराखंड में होमस्टे योजना पर्यटन को नई दिशा देने के लिए शुरू की गई

दरअसल, उत्तराखंड में होमस्टे योजना पर्यटन को नई दिशा देने के लिए शुरू की गई थी। इसका मकसद यह था कि ग्रामीण और पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले लोग अपने घरों का एक हिस्सा पर्यटकों के लिए खोलकर अतिरिक्त आय अर्जित कर सकें। इससे न केवल उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होती है, बल्कि स्थानीय संस्कृति और परंपराओं का भी प्रचार-प्रसार होता है। सरकार ने इस योजना के तहत स्पष्ट दिशा-निर्देश तय किए हैं। इनमें यह अनिवार्य है कि होमस्टे संचालक स्वयं उसी घर में निवास करे। इसके अलावा, कमरों की संख्या सीमित रखी जाए और बुनियादी सुविधाओं जैसे स्वच्छता, पेयजल और सुरक्षा का ध्यान रखा जाए। भोजन सेवा के लिए वैध लाइसेंस होना जरूरी है और विदेशी पर्यटकों की जानकारी संबंधित विभाग को देना अनिवार्य है। हालांकि, हाल के वर्षों में कुछ लोगों ने इस योजना का गलत फायदा उठाते हुए इसे पूरी तरह व्यावसायिक गतिविधि में बदल दिया था। यही कारण है कि अब प्रशासन को सख्ती बरतनी पड़ रही है। यदि इस तरह की अनियमितताओं पर समय रहते रोक नहीं लगाई जाती, तो यह योजना अपने मूल उद्देश्य से भटक सकती है। वहीं प्रशासन का कहना है कि आगे भी इस तरह के अभियान लगातार जारी रहेंगे और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। देहरादून में हुई यह कार्रवाई एक चेतावनी है कि पर्यटन के नाम पर नियमों की अनदेखी अब नहीं चलेगी। साथ ही यह भी संकेत है कि सरकार और प्रशासन दोनों मिलकर इस योजना को सही दिशा में बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

महिलाओं को अधिकार दिलाने तक चैन से नहीं बैठेंगे

महिला आरक्षण के मुद्दे ने उत्तराखंड में सियासत और जनआंदोलन, दोनों को एक साथ गर्मा दिया है। एक ओर राजधानी देहरादून की सड़कों पर निकले महिला मशाल जुलूस में महिलाओं का आक्रोश और अधिकारों की मांग साफ नजर आई, तो दूसरी ओर विधानसभा के विशेष सत्र में इस विषय पर तीखी बहस ने राजनीतिक माहौल को और तेज कर दिया। सत्र के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में मजबूती से पक्ष रखते हुए कहा कि महिलाओं को उनका पूरा अधिकार दिलाना सरकार की प्राथमिकता है और इसके लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने सभी दलों से अपील की कि इस मुद्दे पर राजनीति न की जाए। वहीं विपक्ष ने सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि महिला आरक्षण को लेकर केवल राजनीतिक माहौल बनाया जा रहा है, जबकि जमीनी स्तर पर ठोस कदमों की कमी है। दिव्य हिमगिरि रिपोर्ट।

देश में महिला आरक्षण को लेकर सियासी माहौल लगातार गर्म होता जा रहा है। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को ३३ प्रतिशत आरक्षण देने वाले नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने हैं। इसी कड़ी में भारतीय जनता पार्टी शासित राज्यों में इस मुद्दे को लेकर विपक्ष के खिलाफ राजनीतिक अभियान तेज कर दिया गया है। उत्तराखंड में भी इस बहस ने जोर पकड़ लिया है, जहां सरकार ने विशेष सत्र बुलाकर इस मुद्दे पर अपना रुख साफ करने और विपक्ष को घेरने की रणनीति अपनाई है। २८ अप्रैल को आयोजित विशेष सत्र में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विधानसभा को संबोधित करते हुए नारी शक्ति वंदन

अधिनियम को जल्द लागू किए जाने के लिए केंद्र सरकार के प्रयासों का समर्थन किया। इस सत्र का विषय 'नारी सम्मान- लोकतंत्र में अधिकार' रखा गया, जो अपने आप में इस बात का संकेत था कि सरकार इस मुद्दे को केवल राजनीतिक नहीं बल्कि सामाजिक और संवैधानिक अधिकार के रूप में प्रस्तुत करना चाहती है। मुख्यमंत्री ने सदन के सामने एक सर्वसम्मत संकल्प प्रस्ताव रखने की बात कही, जिसमें महिलाओं को लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में ३३ प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से केंद्र के प्रयासों का समर्थन किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के अधिकारों और सशक्तिकरण के लिए हर संभव कदम उठाने को प्रतिबद्ध है और इस दिशा में कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

सीएम धामी ने अपने संबोधन में कहा कि नारी शक्ति आज केवल भागीदारी तक सीमित नहीं रही, बल्कि नेतृत्व की भूमिका निभा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक महिलाओं को उनका उचित अधिकार नहीं मिल जाता, तब तक सरकार चौन से नहीं बैठेगी। उनके अनुसार, महिला सशक्तिकरण जैसे महत्वपूर्ण विषय पर किसी भी प्रकार की राजनीति नहीं होनी चाहिए और सभी दलों को मिलकर इस दिशा में काम करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि दशकों तक सत्ता में रहने के बावजूद उन्होंने महिलाओं को उनका अधिकार देने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि अब जब केंद्र सरकार ने इस दिशा में एक ऐतिहासिक पहल की है, तो विपक्ष इसे लेकर लोगों में भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि संसद में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट किया था कि परिसीमन के दौरान किसी भी राज्य के साथ भेदभाव नहीं किया जाएगा और सीटों की संख्या बढ़ाने का प्रावधान इसी उद्देश्य से रखा गया है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार द्वारा २०२३ में पेश किया गया था। इस अधिनियम के तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए ३३ प्रतिशत सीटें आरक्षित करने का प्रावधान किया गया है। भाजपा इसे महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक और निर्णायक कदम बता रही है, जबकि विपक्षी दलों ने इसके क्रियान्वयन और कुछ प्रावधानों को लेकर अपनी आपत्तियां जताई हैं। राजनीतिक स्तर पर बढ़ते इस टकराव के बीच उत्तराखंड में सरकार ने

विपक्ष के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाने का भी फैसला किया है। इस कदम को भाजपा की उस व्यापक रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है, जिसके तहत वह महिला आरक्षण के मुद्दे पर विपक्ष को घेरना चाहती है और जनसमर्थन जुटाने का प्रयास कर रही है।

देहरादून में सीएम धामी के नेतृत्व में 'महिला आक्रोश मशाल रैली' निकाली गई

राजनीतिक बहस के साथ-साथ सड़क पर भी महिला सशक्तिकरण की आवाज बुलंद होती नजर आई। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में मंगलवार को 'महिला आक्रोश मशाल रैली' का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। यह रैली शहर के प्रमुख स्थल गांधी पार्क से शुरू होकर घंटा घर तक निकाली गई। इस रैली का नेतृत्व स्वयं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया, जिससे इस आयोजन को विशेष महत्व मिला। बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी ने यह स्पष्ट कर दिया कि समाज में अपने अधिकारों और सम्मान को लेकर जागरूकता लगातार बढ़ रही है। रैली के दौरान महिलाओं ने विभिन्न सामाजिक मुद्दों, अधिकारों और सुरक्षा से जुड़े विषयों को लेकर अपनी आवाज उठाई। आयोजकों के अनुसार, इस रैली का उद्देश्य महिलाओं को एक मंच प्रदान करना था, जहां वे अपनी समस्याओं को खुलकर सामने रख सकें और समाज को यह संदेश दे सकें कि वे अपने अधिकारों के प्रति सजग हैं। पूरे कार्यक्रम के दौरान अनुशासन और शांति बनाए रखी गई, जिससे यह रैली एक सकारात्मक और प्रभावी संदेश देने में सफल रही। मुख्यमंत्री धामी ने इस अवसर पर महिलाओं की एकजुटता और उत्साह की सराहना की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि महिलाओं से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाएगा और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। रैली में शामिल महिलाओं ने कहा कि यह आयोजन उनके अधिकारों और न्याय की मांग को मजबूत करने का एक प्रयास है। उन्होंने भविष्य में भी इस तरह के आयोजनों के माध्यम से अपनी आवाज उठाने और संगठित रहने का संकल्प लिया। उनका कहना था कि जब तक समाज में महिलाओं को समान अधिकार और सम्मान नहीं मिलेगा, तब तक इस तरह के प्रयास जारी रहेंगे। इस पूरे घटनाक्रम को राज्य में महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है। एक ओर जहां विधानसभा में इस मुद्दे पर गंभीर चर्चा हो रही है, वहीं दूसरी ओर आम महिलाएं भी अपने अधिकारों के लिए खुलकर सामने आ रही हैं। यह स्थिति इस बात का संकेत है कि महिला सशक्तिकरण अब केवल नीतियों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह एक जनआंदोलन का रूप लेता जा रहा है। उत्तराखंड में महिला आरक्षण और सशक्तिकरण को लेकर जो माहौल बना है, वह आने वाले समय में राजनीति और समाज दोनों को प्रभावित कर सकता है। सरकार और जनता के स्तर पर हो रही ये पहलें इस दिशा में एक मजबूत और सकारात्मक बदलाव की ओर इशारा करती हैं।

ब्रह्माकुमारीज में नारी शक्ति का तैंतीस या पचास नहीं, बल्कि शत प्रतिशत आरक्षण है- नरेश कौशल

मीडिया महासम्मेलन का उद्घाटन सत्र: वैश्विक शांति की आवश्यकता-मीडिया की भूमिका पर चर्चा

डॉ श्रीगोपाल नारसन एडवोकेट

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय आबूराज (माउंट आबू) में इन दिनों मीडिया महाकुम्भ का दृश्य नजर आ रहा है। संस्था के मीडिया प्रभाग द्वारा आयोजित महासम्मेलन में देशभर के दिग्गज पत्रकार, चिंतक, विचारक, मीडिया शिक्षक मिलकर चिंतन-मंथन कर रहे हैं। शुक्रवार को उद्घाटन सत्र में वैश्विक शांति की आवश्यकता में मीडिया की भूमिका विषय पर देश भर से पधारे विद्वान वक्ताओं ने अपने विचार रखे।

ब्रह्माकुमारीज में आकर मन शांत और बुद्धि स्थिर हो गई-सुभाष बराला राज्यसभा सांसद

मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि मैं माउंट आबू को दुनिया की सबसे दिव्य भूमि कहना चाहता हूँ। यहां ब्रह्माकुमारीज में आने के बाद मन शांत, बुद्धि स्थिर और प्रसन्नता का अनुभव हुआ। यह दुनिया में अपनेआप में एक अनोखी संस्था है। विश्व मे नारी सशक्तिकरण का इससे अच्छा उदाहरण हो ही नहीं सकता। इसने नए मानदंड स्थापित किये हैं। 140 देशों में यह संस्था परमात्मा के सन्देश को पहुंचाने का कार्य कर रही है। यह संस्था आत्मा की शुद्धि का रहस्य भी हमको समझा रही है। जिसने इसे समझा वो तर गया। मनुष्य की असली ताकत का अहसास करवाती है, वह ताकत शरीर नहीं आत्मा है। वो आत्मा जो अजर है अमर है, जिसके बारे में गीता में भी कहा गया है। उस आत्मा से परिचित

करवाना और परमात्मा से कैसे आत्मसात हो, यह समझाने का कार्य भी ब्रह्माकुमारीज कर रही है। वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए मीडिया की जिम्मेदारी बड़ी हो जाती है। आप केवल खबर नहीं देते, बल्कि दृष्टि भी देते हैं। आज दुनिया मे कोई भौगोलिक विस्तार में लगा है, कोई आर्थिक साम्राज्यवाद में लगा हुआ है। विश्व में युद्ध का वातावरण है। भारत को भी सामरिक दृष्टि से घेरने का भी षड्यंत्र चल रहा है। एक खबर उम्मीद भी जगा सकती है, एक खबर डरा भी सकती है। मीडिया चाहे तो देश की दशा बदल सकती है। भारत वर्ष दुनिया को बदलने की ताकत रखता है। माउंट आबू से शांति का, सत्य का संदेश मिलता है और मीडिया इसे घर-घर में पहुंचा सकती है। मीडिया सवाल पूछेगा तो सवाल गूंजेगा, लेकिन मीडिया अगर समाधान भी सुझाएगा तो सवाल सुलझेगा। हम इस दिव्य भूमि से सकरात्मकता ले जाएं कि हम पॉजिटिव न्यूज दिखाएंगे। क्या हम यहीं से इसकी शुरुआत नहीं कर सकते क्या? यदि सत्यापित खबरें जाएगी तो मीडिया पर उंगली उठना बंद होगी। टीआरपी का चक्कर छोड़ देंगे तो आपका और समाज दोनों का फायदा होगा। मीडिया मजबूत समाज की नींव रखने की भूमिका का निर्वहन करें।

केवल सूचना देने का नहीं, बल्कि मीडिया का काम सामाजिक सरोकार भी है-डॉ मानसिंह परमार

कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति मुख्य वक्ता प्रो डॉ मानसिंह परमार ने मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए कहा कि जब आप अपने कर्मस्थल पर लौटें तो एक नया संकल्प लेकर लौटें कि हम विश्व शांति में क्या योगदान दे सकते हैं। आज पूरे विश्व मे परमाणु बम की होड़ लगी हुई है। मानवता का पक्ष रखने वाला कोई नहीं है। आज समाचार पत्रों में प्रथम पृष्ठ की हेडलाइन केवल हिंसा और युद्ध की होती है। एक मुरली श्री कृष्ण ने बजाई थी, आज इस संगमयुग में बाबा की मुरली के माध्यम से विश्व मे शांति की लहरें फैला रहे हैं। परमात्मा शिव ब्रह्मा मुख से ज्ञान का संचार कर रहे हैं। बाबा ने

विशिष्ट अथितियों ने भी रखे विचार

नई दिल्ली डीडी न्यूज के सलाहकार संपादक मनीष बाजपेई ने कहा कि समाज में जो बीमारी है, उसका डायग्नोस करना बहुत जरूरी है। कथनी और करनी में अंतर होगा तो बहुत दिक्कत होगी। जीवन मे भौतिकता और आध्यात्मिकता का संतुलन बहुत जरूरी है।

चंडीगढ़ से आए दैनिक ट्रिब्यून के संपादक नरेश कौशल ने कहा कि विश्व आज सर्वाधिक अशांति के दौर से गुजर रहा है। ऐसे हालत में मीडिया की सकारात्मक भूमिका समय की जरूरत है। जब हम शांति की बात करते हैं तो सबसे पहले परिवार की शांति की बात आती है। ब्रह्माकुमारीज आध्यात्मिक चिंतन के माध्यम से विश्व की बेहतरी के लिए काम कर रहा है। आपकी इस संस्था में नारी शक्ति का पैतीस या पचास नहीं, बल्कि शत प्रतिशत आरक्षण है। ट्रिब्यून में भी बडे बडे पदों पर महिलाएं विराजित हैं।

भुवनेश्वर से पधारी तान्या पटनायक, संपादक द संबाद एंड कनक टीवी ने कहा कि मैं भगवान जगन्नाथ की धरती से आई हूँ। उनकी शिक्षाएं हमे कई समस्याओं का समाधान सुझाती है। जब जगन्नाथ भगवान की रथयात्रा निकलती है, तब उनमें सभी के हाथ लगते हैं। यह हमें सिखाता है कि हम सब एक परिवार है। मीडिया को भगवान जगन्नाथ से बहुत कुछ सीखना चाहिए। एकांकी परिवारो के युग मे मीडिया की जिम्मेदारी बढ़ गयी है। बुलढाणा से आए दैनिक देशोन्नति के सम्पादक डॉ राजेश राजौरे की पुस्तक का विमोचन भी किया गया। मधुरवाणी ग्रुप ने स्वागत गीत से समाँ बांध दिया। डायमंड डांस ग्रुप की कुमारी नीता ने स्वागत नृत्य प्रस्तुत कर देश भर से आए अथितियों को भाव विभोर कर दिया। मीडिया विंग की छत्तीसगढ़ राज्य समन्वयक बीके मंजू दीदी ने उद्घाटन सत्र के सफल संचालन किया।

मुरली के माध्यम से जो संवाद, सम्प्रेषण किया, वह लोगों में दिव्य गुण भर रहे हैं। यदि आज हमारे पत्रकार दिव्य गुण अपना लें तो आदर्श आचार संहिता की आवश्यकता ही नहीं पड़ेगी। शुभ भावना में सारी नैतिकता, सारे ज्ञान का सार समाया हुआ है। बाबा ने जो पवित्रता, ईमानदारी और सत्यता का पाठ पढ़ाया, इसकी जरूरत सभी क्षेत्रों में है, चाहे पत्रकारिता हो या राजनीति का क्षेत्र। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पूरे समय ब्रेकिंग और लाइव में लगा रहता है। इसलिये वहां शांति की बात करना जरूरी है। शांति स्थापना में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को अपनी भूमिका निभानी चाहिए। ये भी सच है कि मीडिया का कार्य सत्य सबके सामने रखना है, लेकिन सत्य दिखाते वक्त उसे संवेदनशील भी होना पड़ेगा। पत्रकारिता केवल सूचना देने का काम नहीं है, बल्कि मीडिया का काम सामाजिक सरोकार भी है। सोशल मीडिया शांति की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

विश्व मे शांति तो चाहिए ही, लेकिन व्यक्तिगत रूप से भी सभी शांतचित्त बने-बीके मोहिनी दीदी

ब्रह्माकुमारीज संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके मोहिनी दीदी ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि हमारा सोचने का और हमारा बोलने का, दोनों का वातावरण में प्रभाव होता है। मीडिया का बहुत बड़ा रोल है। जिसके पास कलम है, वाणी में बल है, उन्हें वर्तमान समय शांति का संदेश देना बहुत जरूरी है। सभी यह लक्ष्य रखें कि हम सबमे शांति की भावना हो, शान्ति का संदेश हो। मनुष्य जीवन, समाज, देश परिवार में शांति हो। प्रगति भी तभी होती है, जब मन मे शांति हो। बहुत बड़ा गुण है शांति। शांति से रचनात्मकता को बल मिलता है। विश्व मे शांति तो चाहिए ही, लेकिन व्यक्तिगत रूप से भी सभी शांतचित्त बने। आप ऐसा इंस्ट्रूमेंट बने जिससे विश्व मे शांति व्यापक हो जाये।

दूसरों के प्रति शुभभावना और शुभकामना का भाव हो-बीके सरला दीदी

मीडिया प्रभाग की उपाध्यक्ष बीके सरला दीदी ने कहा कि हमने इस कॉन्फ्रेंस में विभिन्न सत्रों में मीडिया के रोल पर चर्चा करने का प्रयास किया है। आप जब यहां से जाओ तो बहुत ही प्रोफेशनल रीति से लाभ ले सकें। भगवान का ऑब्जेक्टिव है कि उनके हम सब बच्चे सुखी, शांत व आनंद में रहें। मीडिया के ऑब्जेक्टिव ऐसे रखें कि उसमें भगवान से जो समाधान मिलते हैं, इस समस्याग्रस्त दुनिया को दें। तो हम मीडिया का ऐसा लक्ष्य रखकर चलते हैं। ब्रेकिंग न्यूज से शॉकिंग न्यूज देना ही पड़ता है। ऐसे में ब्रह्माकुमारीज संस्था आपको यही सिखाती है कि दूसरों के प्रति शुभभावना और शुभकामना का भाव हो। हम भी डिटैच होकर अपने कार्य को करें।

शांति की अनुभूति का आधार मेडिटेशन है-बीके शीलू दीदी

एजुकेशन विंग की उपाध्यक्ष बीके शीलू दीदी ने राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया। उन्होंने कहा शांति की अनुभूति का आधार मेडिटेशन है। पहले आत्मा अपने आपको पहचाने की मैं कौन हूँ। ओमशान्ति का अर्थ ही है कि मैं वही हूँ जिसका स्वधर्म शांति है। हम शांति के धाम से सृष्टि रंगमंच पर अभिनय करने आई हूँ। मैं आत्मा शांति सागर परमपिता की संतान हूँ।

शांति हमारा संस्कार है-बीके सुदेश दीदी

ब्रह्माकुमारीज की संयुक्त प्रशासनिक मुखिया राजयोगिनी बीके सुदेश दीदी ने कहा कि विश्व शांति की बात इसलिए कर रहे है क्योंकि सारा विश्व हमारा परिवार है। भारत शांति का दूत हैं। हम भारत माँ के लाल, हमारे अंदर वो शांति की शक्ति है। शांति हमारा संस्कार है। आत्मा को शांति चाहिए। जब तक हमने बीज को नहीं सींचा है, तब तक वो फल नहीं देगा। बीज को धरती चाहिए, जल चाहिए, सूर्य की शक्ति चाहिए। भारत भूमि की महिमा है यह फूलों का बगीचा था, यहां श्री लक्ष्मी नारायण का राज्य था। शांति आएगी जब हम उसे प्रेक्टिकल में लाएंगे। मैं सौ देशों में गयी हूँ। संसार में शरीर मे रहते हुए हमें शांति म वातावरण बनाना है। जब तक हमने परमात्मा से कनेक्शन नहीं जोड़ा, तब तक शांति कहाँ से मिले। उसके लिए मन मे सबके कल्याण की भावना जरूरी है। सकारात्मकता, दृढ़ता, पवित्रता, सत्यता, स्वधर्म की शक्ति चाहिए।

आप अपने घर मे आये हैं-करुणा भाई

ब्रह्माकुमारीज के महासचिव तथा मीडिया विंग के अध्यक्ष बीके करुणा भाई ने यह ईश्वरीय विश्वविद्यालय 90 वर्षों से यह संदेश दे रहे हैं, सारा विश्व एक परिवार है। आप यहां ऐसे समझें कि आप अपने घर मे हैं। यहां शांति का जितना अनुभव कर सकते हैं, इन तीन दिनों में आप करें।

मीडिया समाज का दर्पण है, जो दिशा भी देता है और जागरूकता भी लाता है: डॉ. कुँवर राज अस्थाना

डॉ कुँवर राज अस्थाना, संपादक दिव्य हिमगिरि, ने अपने विचार व्यक्त करते हुए देशभर से आए मीडिया प्रतिनिधियों का स्वागत किया और देवभूमि उत्तराखंड को नमन किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड शिव और विष्णु की पावन भूमि है, जहां आध्यात्मिक चेतना आज भी जीवंत है। उन्होंने सभी को आगामी चारधाम यात्रा के लिए आमंत्रित करते हुए देवभूमि आने का आग्रह किया। उन्होंने "नवीन सामाजिक व्यवस्था में मीडिया की भूमिका" विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा कि मीडिया स्वतंत्रता आंदोलन के समय से ही समाज को दिशा देने और मूल्यों की स्थापना करने में एक उत्प्रेरक (Catalyst) की भूमिका निभाता आया है। आज भी मीडिया जटिल सामाजिक मुद्दों- जैसे पर्यावरण, जनस्वास्थ्य, जलवायु परिवर्तन और मानवाधिकार को प्रमुखता से उठाकर समाज को जागरूक बनाने का कार्य कर रहा है। डॉ. अस्थाना ने कहा कि सोशल मीडिया के विस्तार ने एक स्वतंत्र मंच प्रदान किया है, जो सत्ता के प्रभाव से काफी हद तक मुक्त होकर भ्रष्टाचार उजागर करने और जवाबदेही तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। साथ ही, सफल व्यक्तियों की कहानियों, प्रेरक प्रसंगों और जीवन मूल्यों के माध्यम से मीडिया नई पीढ़ी के व्यक्तित्व निर्माण में भी योगदान देता है। उन्होंने यह भी कहा कि मीडिया समाज का दर्पण है, यह अच्छाई और बुराई दोनों को सामने लाता है। पाठकों और दर्शकों पर यह निर्भर करता है कि वे क्या देखना और पढ़ना चाहते हैं। प्रिंट मीडिया में संपादक की संस्था आज भी जवाबदेही सुनिश्चित करती है, जबकि सोशल मीडिया में जवाबदेही का अभाव एक चुनौती है, जिसे समय के साथ नियमन की आवश्यकता है। अपने अनुभव साझा करते हुए उन्होंने बताया कि वे पिछले 15 वर्षों से दिव्य हिमगिरि का प्रकाशन कर रहे हैं, जो सकारात्मक और तथ्यात्मक सामग्री के साथ उत्तराखंड की एक प्रमुख समाचार पत्रिका है। इसके साथ ही उन्होंने "विज्ञान संप्रेषण" पत्रिका का भी प्रकाशन शुरू किया, जो पिछले 5 वर्षों से बिना किसी विज्ञापन के केवल अपने पाठकों के सहयोग से निरंतर प्रकाशित हो रही है। उन्होंने कहा कि ज्ञान-विज्ञान के प्रसार और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के विकास में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसी प्रयास को देखते हुए उत्तराखंड सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग तथा केंद्रीय हिंदी संस्थान ने भी इस पहल की सराहना की है। अंत में उन्होंने कहा कि मीडिया को सकारात्मक, तथ्यात्मक और समाजोपयोगी सामग्री के माध्यम से जनजागरण का कार्य करते हुए एक सशक्त और जागरूक समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभानी चाहिए।

आईसीएसई-आईएससी परिणाम में उत्तराखंड की दमदार चमक

देशभर में बोर्ड परीक्षाओं के परिणामों ने एक बार फिर मेहनत और लगन की मिसाल पेश की है। काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन द्वारा घोषित कक्षा 10 और 12 के नतीजों में इस वर्ष 99 प्रतिशत से अधिक विद्यार्थी सफल रहे, जो शिक्षा के स्तर और विद्यार्थियों की तैयारी को दर्शाता है। खास बात यह रही कि छात्राओं ने एक बार फिर बेहतर प्रदर्शन करते हुए बढ़त कायम रखी। परिणाम घोषित होते ही देशभर में खुशी का माहौल रहा और लाखों परिवारों ने इस सफलता का जश्न मनाया। उत्तराखंड में भी इन नतीजों का खास असर देखने को मिला, जहां पहाड़ से लेकर शहरों तक विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन कर राज्य का नाम रोशन किया। कर्णप्रयाग, टिहरी, रुड़की और देहरादून जैसे क्षेत्रों के स्कूलों ने बेहतरीन परिणाम दर्ज किए। कई विद्यार्थियों ने 95 से 99 प्रतिशत तक अंक हासिल कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद उत्तराखंड के छात्रों ने यह साबित किया कि दृढ़ संकल्प और निरंतर प्रयास से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। यह न केवल विद्यार्थियों के लिए गर्व का क्षण है, बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणा भी है। दिव्य हिमगिरि रिपोर्ट।

देशभर में शिक्षा का पर्व एक बार फिर उत्साह और उमंग के साथ मनाया जा रहा है। बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम घोषित होते ही लाखों परिवारों में खुशियों की लहर दौड़ गई है। महीनों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और सपनों की उड़ान का फल अब सामने है। इस बार भी विद्यार्थियों ने यह साबित कर दिया कि लगन और समर्पण से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। भारतीय स्कूल प्रमाणपत्र परीक्षा परिषद) द्वारा कक्षा 10 (आईसीएसई) और कक्षा 12 (आईएससी) परीक्षा 2026 के परिणाम घोषित होते ही देशभर में उत्सव जैसा माहौल बन गया। अन्य शिक्षा बोर्डों के बाद अब इस परिषद से जुड़े लाखों विद्यार्थियों का इंतजार भी समाप्त हो गया। गुरुवार सुबह जैसे ही परिणाम घोषित हुए, विद्यार्थी अपने अंक जानने के लिए उत्साहित नजर आए। आधिकारिक वेबसाइट पर भारी भीड़ देखी गई, जिसके चलते कुछ समय के लिए गति धीमी भी हुई। हालांकि परिषद ने इस बार बेहतर तकनीकी व्यवस्था करते हुए डिजिलॉकर, संदेश सेवा और उमंग अनुप्रयोग जैसे माध्यमों पर भी परिण ाम उपलब्ध कराए, जिससे विद्यार्थियों को काफी सहूलियत मिली। इस वर्ष का परिण ाम कई मायनों में विशेष रहा। कक्षा 10 और 12 दोनों में सफलता प्रतिशत 99 से अधिक रहा, जो विद्यार्थियों की मेहनत और शिक्षा व्यवस्था की मजबूती को दर्शाता है। खास बात यह रही कि इस बार भी छात्राओं ने छात्रों से बेहतर प्रदर्शन करते हुए अपनी बढ़त कायम रखी। आंकड़ों के अनुसार कक्षा 10 में कुल 99.18 प्रतिशत विद्यार्थी सफल हुए हैं। इसमें छात्राओं का सफलता प्रतिशत 99.46 रहा, जबकि छात्रों का 98.93 प्रतिशत दर्ज किया गया। वहीं कक्षा 12 में कुल 99.13 प्रतिशत विद्यार्थी सफल हुए, जिसमें छात्राओं का प्रतिशत 99.48 और छात्रों का 98.81 रहा। इस वर्ष कुल मिलाकर 4 लाख से अधिक विद्यार्थी परीक्षाओं में शामिल हुए थे। इनमें कक्षा 10 में लगभग 1.5 लाख और कक्षा 12 में करीब 2.6 लाख परीक्षार्थियों ने भाग लिया। परीक्षाएं देशभर के निर्धारित केंद्रों पर कड़े सुरक्षा इंतजामों के बीच संपन्न कराई गईं। परीक्षा तिथियों की बात करें तो कक्षा 10 की परीक्षाएं 17 फरवरी से 30 मार्च 2026 तक आयोजित हुईं, जबकि कक्षा 12 की परीक्षाएं 12 फरवरी से 6 अप्रैल 2026 तक चलीं। परिणाम देखने की प्रक्रिया भी इस बार सरल रखी गई। विद्यार्थी अपनी विशिष्ट पहचान संख्या, अनुक्रमांक और सुरक्षा संकेत दर्ज कर आसानी से परिणाम देख सकते हैं। देशभर में इस शानदार परिणाम ने यह स्पष्ट कर दिया है कि नई पीढ़ी पढ़ाई के प्रति अधिक सजग और समर्पित हो रही है। यह उपलब्धि केवल विद्यार्थियों की ही नहीं, बल्कि शिक्षकों और अभिभावकों के सहयोग का भी परिणाम है।

उत्तराखंड में पहाड़ से मैदान तक विद्यार्थियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

उत्तराखंड में इन परिणामों ने विशेष उत्साह पैदा किया है। राज्य के विभिन्न जिलों में विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन कर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान मजबूत की है। चमोली जिले के कर्णप्रयाग स्थित 'द इंडियन एकेडमी' ने 100 प्रतिशत परिणाम प्राप्त कर बड़ी उपलब्धि हासिल की। कक्षा 12 की छात्रा सौम्या चौहान ने 97.5 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। मानसी जैन और दीपिका पंत ने भी उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। कक्षा 10 में भी इस विद्यालय के सभी विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। सिद्धार्थ भंडारी ने 91

प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। रुड़की के सेंट जॉन्स वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में भी विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया। कक्षा 12 विज्ञान वर्ग में चेतन ने 85 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि कक्षा 10 में शुभेंद्र प्रताप यादव ने 89 प्रतिशत अंक हासिल किए। टिहरी जिले के विद्यार्थियों ने भी उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। कार्मल विद्यालय चंबा के आदित्य नेगी ने 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। ऑल सेंट कॉन्वेंट विद्यालय की आदविका सेमवाल ने 96.8 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। राजधानी देहरादून में छात्राओं का दबदबा देखने को मिला। सेंट जोजेफ्स एकेडमी की अनुष्का कोटनाला ने 99.5 प्रतिशत अंक प्राप्त कर शीर्ष स्थान हासिल किया। ब्राइटलैंड्स विद्यालय की नैना सागर, समर वैली विद्यालय की हिया गोयल और श्रेष्ठा रावत ने भी 99 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट उपलब्धि दर्ज की। इन परिणामों ने यह सिद्ध कर दिया है कि उत्तराखंड के विद्यार्थी कठिन परिस्थितियों के बावजूद शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। पहाड़ी क्षेत्रों की चुनौतियों के बावजूद यहां के छात्र देशभर में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रहे हैं। यह परिणाम न केवल विद्यार्थियों के लिए गर्व का विषय है, बल्कि देश की शिक्षा व्यवस्था की मजबूती का भी प्रमाण है। अब सफल विद्यार्थी अपने भविष्य की दिशा तय करने में जुट जाएंगे, जबकि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी आगे बढ़ने के कई अवसर मौजूद हैं।

वेनबर्ग एलेन स्कूल के विद्यार्थियों का बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन

वेनबर्ग एलेन स्कूल, देहरादून के विद्यार्थियों ने वर्ष 2026 की आईएससी (कक्षा 12) एवं आईसीएसई (कक्षा 10) बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। विभिन्न विषय वर्गों विज्ञान, वाणिज्य एवं मानविकी में छात्रों ने उच्च अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा और परिश्रम का परिचय दिया।

आईएससी (कक्षा 12) के प्रमुख टॉपर्स:

विज्ञान वर्ग: सुहानी अग्रवाल- 99.50%, सौम्या गुप्ता- 97.75%, मान्या रावत- 97.25%, श्रेयंश गोयल- 97.00%

वाणिज्य वर्ग: धनिष्ठा विग- 97.50%, ईशत अग्रवाल- 96.75%

मानविकी वर्ग: ऐश्वर धालीवाल- 98.50%, अवनि देवरानी- 98.25%, धैर्य विर्मानी- 97.50%

आईसीएसई (कक्षा 10) के प्रमुख टॉपर्स:

मानस्वी गुप्ता- 96.80%, पार्थ सैनी- 96.40%, प्रथम राव- 95.20%, दक्षायणी गुप्ता- 94.80%, भाविक हिसारिया- 94.20%, नम्या गुप्ता- 93.80%, निहारिका बक्शी- 93.80%, सौरिश गर्ग- 93.20%, इयान कसरिजा- 92.40%, चारिस सिंह- 92.80%

विद्यालय प्रबंधन ने सभी विद्यार्थियों को इस उत्कृष्ट सफलता के लिए बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय प्रशासन ने कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। विद्यालय भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए प्रतिबद्ध रहेगा।

कार्मन रेसिडेंशियल एंड डे स्कूल का शानदार 100% परिणाम, छात्रों ने बढ़ाया गौरव

कार्मन रेसिडेंशियल एंड डे स्कूल, प्रेमनगर, देहरादून ने वर्ष 2026 की आईएससी (कक्षा 12) और आईसीएसई (कक्षा 10) बोर्ड परीक्षाओं में 100% परिणाम दर्ज करते हुए उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल की है। विद्यालय के विद्यार्थियों ने शानदार अंक प्राप्त कर अपनी मेहनत, अनुशासन और लगन का परिचय दिया है।

कक्षा 12 (आईएससी) परिणाम:

अंशुल भट्ट- 97.25%, आयाम यादव- 95%, शिवांश नेगी- 95%, गौरव 93.5%, वैभव नेगी- 93.2%, अमन ढाका- 93%, संजोग रंसवाल- 92%, हितेश कंडेरी- 91.25%, गुंजन धीमान- 91.25%

कक्षा 10 (आईसीएसई) परिणाम:

गुंजन- 95.8%, कुशाग्र आर्य- 94.8%, वैभव नेगी- 93.2%, आरोही चौहान- 93%

विद्यालय प्रबंधन ने सभी विद्यार्थियों को इस उत्कृष्ट सफलता के लिए हार्दिक बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय प्रशासन ने कहा कि यह 100% परिणाम विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन और अभिभावकों के निरंतर सहयोग का प्रतिफल है। विद्यालय भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए प्रतिबद्ध रहेगा।

सनराइज अकादमी देहरादून के छात्रों ने बोर्ड परीक्षाओं में लहराया परचम

सनराइज स्कूल, देहरादून के विद्यार्थियों ने इस वर्ष की बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया है। छात्रों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का यह परिणाम शानदार सफलता के रूप में सामने आया है। आईएससी कक्षा 12 के परिणामों में विद्यालय के विद्यार्थियों ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की।

प्रमुख स्थान प्राप्त करने वाले छात्र इस प्रकार हैं-

अफ्शा परवीन- 97%
रजत परस्वान- 93.05%
आराध्य शर्मा- 92%
एकलव्य जोशी- 91.5%
कुनाल पांडे- 90.25%

वहीं आईसीएसई कक्षा 10 के परिण ामों में भी विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

टॉपर्स की सूची इस प्रकार है-

प्रथा पंवार- 96%
नवाक्षी अल्हेडिया- 93.2%
शिवेंद्र प्रकाश नैथानी- 91%

विद्यालय प्रबंधन ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने आगे कहा कि सनराइज स्कूल सदैव विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट परिणाम देने के लिए प्रयासरत रहेगा।

द मॉन्टेसरी स्कूल के छात्रों ने बोर्ड परीक्षा में रचा सफलता का इतिहास

द मॉन्टेसरी स्कूल, राजेंद्र नगर, देहरादून के विद्यार्थियों ने वर्ष 2026 की आईसीएसई (कक्षा 10) एवं आईएससी (कक्षा 12) बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए एक बार फिर विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता और सुदृढ़ मार्गदर्शन प्रणाली का परिचय दिया है। विद्यालय के विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों में शानदार अंक प्राप्त कर न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। इस सफलता के पीछे शिक्षकों का नियमित मार्गदर्शन, व्यक्तिगत ध्यान तथा विद्यार्थियों की कमजोरियों को समझकर उन्हें सुधारने के सतत प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

कक्षा 10 (आईसीएसई) के प्रमुख परिणाम:

वेदांश सोम- 97% (प्रथम स्थान), ऋषभदेव गर्ग- 96.6% (द्वितीय स्थान), अभिनव चौहान- 93.4% (तृतीय स्थान), रक्षित मनराल- 93.4% (तृतीय स्थान)

अन्य उल्लेखनीय प्रदर्शन:

वेदांश कोठियाल- 93.2%, अक्षिता उनियाल- 92.8%, अतुल्य तिवारी- 91.8%, कार्तिकेय चौनियाल- 91.2%, स्वास्तिक नामदेव- 91%, आरव मैठाणी- 90.4%, कामाक्षी घिल्डियाल- 90%

कक्षा 12 (आईएससी) के प्रमुख परिणाम:

परी गुलाटी- 94.5% (प्रथम स्थान), ऋद्धि जैन- 93.5% (द्वितीय स्थान), अक्षत तिवारी- 93% (तृतीय स्थान)

अन्य उल्लेखनीय प्रदर्शन:

इशनी अग्रवाल- 92.5%, मीनल राणा- 91.5%, साची मिश्रा- 91%

विद्यालय प्रशासन ने इस सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की मेहनत, अभिभावकों के सहयोग और शिक्षकों की समर्पित भावना का संयुक्त परिणाम है। विद्यालय ने विश्वास जताया कि भविष्य में भी विद्यार्थी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन करते रहेंगे।

ब्राइटलैंड्स स्कूल के विद्यार्थियों का बोर्ड परीक्षाओं में शानदार प्रदर्शन, टॉपर्स ने बढ़ाया मान

ब्राइटलैंड्स स्कूल, देहरादून के विद्यार्थियों ने वर्ष 2026 की बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। कक्षा 10 और कक्षा 12 दोनों के परिणामों में छात्रों ने उच्च अंक प्राप्त कर अपनी मेहनत, अनुशासन और समर्पण का परिचय दिया।

कक्षा 10 के टॉपर्स:

अगमया अग्रवाल (98.6%), काव्या सती- 98.6%, एकाग्रह कक्कड़- 98.4%, अमोघ डिमरी- 98.4%, पर्व चौहान- 98.4%, अयान अग्रवाल- 98%, जशिथ डुमका- 98%, संचित कपूर- 98%, शौर्य उपाध्याय- 97.8%, सोहम त्रिपाठी- 97.8%, मिंक सरोहा- 97.8%, वंशिका पंवार-97.8%

कक्षा 12 के टॉपर्स:

नैना सागर- 99%, स्पर्श वालिया- 98.5%, अर्जुन सिंघल- 98.25%, श्रेया शर्मा- 98%, ओजस मदान- 97.25%, अक्षया सिंघल- 97.25%, सैना त्यागी- 96.75%, इरा शर्मा- 96.5%, ओस ठाकुर- 96.5%

विद्यालय प्रबंधन ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रधानाचार्य ने अपने संदेश में कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के निरंतर सहयोग का परिणाम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले वर्षों में भी विद्यालय इसी प्रकार उत्कृष्ट परिणाम देता रहेगा।

श्री राम सेंटेनियल स्कूल के विद्यार्थियों का बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन

श्री राम सेंटेनियल स्कूल, देहरादून के विद्यार्थियों ने कक्षा 10 और आईएससी 12 बोर्ड परीक्षाओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया है। इस सफलता का श्रेय विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग को जाता है।

कक्षा 10 (आईसीएसई) परिणाम: ***विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट अंक प्राप्त किए, जिनमें प्रमुख छात्र-छात्राएं इस प्रकार हैं-***

हंस ड्राल- 96%, विहान नागपाल- 95.4%,सिद्धांत जोशी- 94%, अथर्व गर्ग- 94%, शौर्य- 93.8%, जसकरण सिंह- 93.6%, काश्वी वर्मा- 93.6%, गैरिक रावत- 92%,मैरा दीक्षित- 92%, अर्नव वाधवा- 91.8%, अधिराज एस. पुंडीर- 91.4%, यश सिंह नेगी- 91.2%, कुशाग्र नेगी- 90.8%

कक्षा 12 (आईएससी) परिणाम: ***कक्षा 12 के विद्यार्थियों ने भी उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की-***

गौरांश बरुआह- 98%, आभ्या मैकुरी- 96.5%, हासिका जालान - 95.5%, संचित खन्ना- 94.75%, दिपांशु शेखर- 92.5%,आहान पाल- 92%, भूमिका मोदी- 92.25%,दिवित चौहान- 92.25%, श्रिया खन्ना- 91.75%

विद्यालय प्रबंधन ने सभी विद्यार्थियों को इस शानदार सफलता के लिए बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने अपने संदेश में कहा कि यह परिणाम विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का प्रतिफल है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में भी विद्यालय के विद्यार्थी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करते रहेंगे।

सेंट जोसेफ्स एकेडमी ने रचा एक और गौरवशाली अध्याय

आईसीएसई एवं आईएससी बोर्ड परीक्षा परिणाम 2026

शैक्षणिक उत्कृष्टता और विद्वत्ता की अपनी गौरवशाली परंपरा को एक बार फिर सुदृढ़ करते हुए सेंट जोसेफ्स एकेडमी ने शैक्षणिक सत्र 2025-2026 की (आईसीएसई एवं आईएससी) बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी विशिष्ट पहचान को पुन: स्थापित किया है। विद्यालय ने कक्षा 10 (आईसीएसई) एवं कक्षा 12 (आईएससी) दोनों परीक्षाओं में 100 प्रतिशत परिणाम दर्ज किया है, जो संस्था की उत्कृष्ट शैक्षणिक परंपरा, विद्यार्थियों के अथक परिश्रम, दृढ़ संकल्प, अनुशासित तैयारी एवं शिक्षकों के दूरदर्शी मार्गदर्शन का प्रमाण है। यह शानदार उपलब्धि न केवल विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता को दर्शाती है, बल्कि विद्यालय द्वारा प्रदान की जा रही मूल्य आधारित, अनुशासित एवं समग्र शिक्षा प्रणाली को भी प्रतिबिंबित करती है।

आईसीएसई बोर्ड परिणाम 2026

कुल 265 विद्यार्थियों ने आईसीएसई परीक्षा में भाग लिया और सभी सफल रहे। इस वर्ष भी बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने विशिष्ट श्रेणी एवं उच्च प्रथम श्रेणी में सफलता प्राप्त की।

90% एवं उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी: 106

75% एवं उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी: 115

75% से कम अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी: 44

आईसीएसई परिणाम इस वर्ष भी उत्कृष्ट निरंतरता एवं उच्च शैक्षणिक गुणवत्ता का परिचायक रहा, जिसमें अनेक विद्यार्थियों ने लगभग पूर्णांक के निकट अंक प्राप्त किए।

आईसीएसई टॉपर्स

विद्यालय टॉपर: आरुष अरोड़ा (99%), निशाद नंदा (99%)

द्वितीय स्थान: आराध्य जोशी (98.2%), शुभांकर अरोड़ा (98.2%)

तृतीय स्थान: यक्षज राणा (97.4%)

आईएससी बोर्ड परिणाम 2026

आईएससी के विद्यार्थियों ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का गौरव बढ़ाया। कुल 228 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी और सभी सफल रहे। कला, विज्ञान एवं वाणिज्य, तीनों संकायों में उत्कृष्ट परिणाम दर्ज किए गए।

90% एवं उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी: 94

75% से 90% के बीच अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी: 101

75% से कम अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी: 33

आईएससी परिणाम विद्यार्थियों की निरंतर मेहनत, अनुशासन एवं अपने शैक्षणिक लक्ष्यों के प्रति एकाग्रता का सशक्त प्रमाण है।

आईएससी टॉपर्स

कला संकाय- दक्ष जोशी- 98.5%, रिद्धिमा नेगी- 97.5%, प्रतीति बी. हाबिल- 97.25%

विज्ञान संकाय- अनुष्का कोटनाला- 99.5%, सिया माहेश्वरी- 99.25%, तितिक्षा चौहान- 98.75%, गण्या सेठी- 98.75%

वाणिज्य संकाय- जया कपूर- 97%, विभोर कौरा- 95.5%, आयना गुप्ता- 95.25%, काव्या तनेजा- 95.25%

गौरव का क्षण

यह भव्य परिणाम पूरे जोसेफाइट परिवार के लिए गर्व का विषय है और विद्यालय की उत्कृष्ट शैक्षणिक यात्रा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में दर्ज हुआ है। यह सफलता विद्यार्थियों के अथक परिश्रम, अभिभावकों के निरंतर सहयोग तथा शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन का परिणाम है। विद्यालय का उद्देश्य केवल उच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी तैयार करना नहीं, बल्कि जिम्मेदार, सशक्त एवं भविष्य के लिए तैयार नागरिकों का निर्माण करना है, जो इस वर्ष के परिणामों में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य रेव. ब्रदर जोसेफ श्रवेमची ने विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को इस उल्लेखनीय सफलता के लिए हार्दिक बधाई दी। उन्होंने विद्यार्थियों की लगन, परिश्रम एवं दृढ़ इच्छाशक्ति की सराहना करते हुए शिक्षकों के नि:स्वार्थ समर्पण और अथक प्रयासों की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह उत्कृष्ट परिणाम केवल अंकों की उपलब्धि नहीं, बल्कि समर्पण, चरित्र, अनुशासन और उत्कृष्टता की सतत साधना का उत्सव है। विद्यालय प्रबंधन ने सभी सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

एन मैरी स्कूल का शानदार परिणाम, 100% उत्तीर्णता के साथ रचा नया कीर्तिमान

एन मैरी स्कूल, देहरादून ने वर्ष 2026 की आईसीएसई (कक्षा 10) एवं आईएससी (कक्षा 12) बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 100% परिणाम दर्ज किया है। यह उपलब्धि विद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह सफलता विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के समर्पण, विद्यालय प्रबंधन के मार्गदर्शन तथा पूरे शैक्षणिक सत्र के दौरान किए गए सतत प्रयासों का परिणाम है।

आईसीएसई 2026 (कक्षा 10) के उत्कृष्ट प्रदर्शनकर्ता:

भूमिका राय- 98.80% प्रथम स्थान, दिशीता सिंह- 98.80% प्रथम स्थान, शुभानी लखेड़ा- 98.60% द्वितीय स्थान, समता चड्ढा- 98.40% तृतीय स्थान, हर्ष- 98.20% चतुर्थ स्थान, अग्रिमा पुरी- 98.00% पंचम स्थान

आईएससी 2026 (कक्षा 12) के उत्कृष्ट प्रदर्शनकर्ता:

दिव्यांशी यादव- 96.25% प्रथम स्थान, शौर्य रावत- 96.00% द्वितीय स्थान, वंशिका यादव- 96.००% द्वितीय स्थान, तन्मय भट्ट- 95.75% तृतीय स्थान, दीपांशी जोशी- 95.50% चतुर्थ स्थान, वैभवी बिष्ट- 95.25% पंचम स्थान

विद्यालय के 110 से अधिक विद्यार्थियों ने 90% से अधिक अंक प्राप्त किए, जो सभी वर्गों में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन को दर्शाता है। इसके अतिरिक्त, कई विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपनी विषय दक्षता का उत्कृष्ट परिचय दिया। विद्यालय प्रबंधन ने इस उपलब्धि के लिए सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को हार्दिक बधाई दी। विद्यालय प्रशासन ने कहा कि एन मैरी स्कूल भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट परिणाम देकर शिक्षा के क्षेत्र में नए मानक स्थापित करता रहेगा।

एन मैरी स्कूल 12वीं

दिव्यांशी यादव (96.25%)

शौर्य रावत (96.00%)

वंशिका यादव (96%)

तन्मय भट्ट (95.75%)

एन मैरी स्कूल 10वीं

भूमिका राय (98.80%)

दिशीता सिंह (98.80%)

शुभानी लखेड़ा (98.60%)

समता चड्ढा (98.40%)

देहरादून वर्ल्ड स्कूल का शानदार प्रदर्शन

देहरादून वर्ल्ड स्कूल के विद्यार्थियों ने वर्ष 2026 की बोर्ड परीक्षाओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया है। कक्षा 10 एवं कक्षा 12 के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर अपनी मेहनत, अनुशासन और समर्पण का परिचय दिया।

कक्षा 10 में स्नेहा चौहान (99.4%) ने सर्वोच्च अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। अन्य प्रमुख छात्र इस प्रकार हैं:

आदित्य सजवाण- 98%, अनमोल भंडारी- 95.2%, शगुन कैंतुरा- 95%, वंशिका शर्मा- 95%, तन्मय- 94.8%, प्रांजल गुसाई- 94%, अनुज धनौला- 93.6%, गौरव फरस्वाण- 93.6%, आदित्य सिंह- 93.4%, शौर्य लिंगवाल- 92.6%, प्रिंस रावत- 92.4%, ऋषभ देवली- 92.2%, प्रतीक चौहान- 92.2%, विक्रांत- 91.8%, दीक्षा बुडाकोटी- 91.8%, सृष्टि कुल्हान- 91.2%, अंश मनवाल- 91%, दिव्या- 90.6%, अक्षीत थपलियाल- 90.2%

कक्षा 12 में कृष बिष्ट (99%) ने विद्यालय में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। अन्य उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र इस प्रकार हैं:

आयुष राणा- 98.5%, शीतल पुंडीर- 98%, अमन परमार- 96.5%, शिक्षा गुसाईं- 95.75%, महक- 94%, संध्या- 93.25%, वैभव कोठारी- 93%, ओजस्वी उपाध्याय- 92.75%, पावनी- 92%, वैष्णवी बिजल्वाण- 91.75%, प्रियंशु रौतेला- 91.25%, वर्षा- 91.2%, अंशिका- 91%, ईशांत बिष्ट- 90.75%, हिमांशी- 90%

विद्यालय परिवार में खुशी की लहर

इस शानदार सफलता पर विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों ने सभी विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह परिणाम विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, अभिभावकों के सहयोग तथा शिक्षकों के मार्गदर्शन का प्रतिफल है। विद्यालय ने सभी सफल छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे आगे भी इसी प्रकार सफलता के नए आयाम स्थापित करेंगे।

देहरादून वर्ल्ड स्कूल 10वीं

स्नेहा चौहान (99.4%)

आदित्य सजवाण (98%)

अनमोल भंडारी (95.2%)

देहरादून वर्ल्ड स्कूल 12वीं

कृष बिष्ट (99%)

आयुष राणा (98.5%)

शीतल पुंडीर (98%)

आईसीएससी स्कूल रिजल्ट 2026: कक्षा 10वीं एवं 12वीं

कार्मन रेसिडेंशियल एंड डे स्कूल 12वीं

अंशुल भट्ट (97.25%)

शिवांस नेगी (95%)

अयाम यादव (95%)

कार्मन रेसिडेंशियल एंड डे स्कूल 10वीं

गुंजन (95.80%)

कुशाग्र आर्य (94.80%)

वैभव नेगी (93.20%)

सनराइज अकादमी 12वीं

अफ्शा परवीन (97%)

रजत परस्वान (93.05%)

आराध्य शर्मा (92%)

सनराइज अकादमी 10वीं

प्रथा पंवार (96%)

नवाक्षी अल्हेडिया (93.2%)

शिवेंद्र प्रकाश नैथानी (91%)

द मॉन्टेसरी स्कूल 12वीं

परी गुलाटी (94.5%)

ऋद्धि जैन (93.5%)

अक्षत तिवारी (93%)

द मॉन्टेसरी स्कूल 10वीं

वेदांश सोम (97%)

ऋषभदेव गर्ग (96.6%)

अभिनव चौहान (93.4%)

रक्षित मनराल (93.4%)

सेंट जोसेफ्स एकेडमी 12वीं

अनुष्का कोटनाला (99.5%)

सिया माहेश्वरी (99.25%)

तितिक्षा चौहान (98.75%)

गण्या सेठी (98.75%)

दक्ष जोशी (98.5%)

जया कपूर- 97%

सेंट जोसेफ्स एकेडमी 10वीं

आरुष अरोड़ा (99%)

निशाद नंदा (99%)

आराध्य जोशी (98.2%)

शुभांकर अरोड़ा (98.2%)

यक्षज राणा (97.4%)

आईसीएससी स्कूल रिजल्ट 2026: कक्षा 10वीं एवं 12वीं

श्री राम सेंटेनियल स्कूल 12वीं

गौरांश बरुआह (98%)

आध्या मैकुरी (96.5%)

हासिका जालान (95.5%)

श्री राम सेंटेनियल स्कूल 10वीं

हंस डूल (96%)

विहान नागपाल (95.4%)

सिद्धांत जोशी (94%)

अथर्व गर्ग (94%)

वेनबर्ग एलेन स्कूल 12वीं

सुहानी अग्रवाल (99.50%)

ऐश्वर धालीवाल (98.50%)

अवनि देवरानी (98.25%)

वेनबर्ग एलेन स्कूल 10वीं

मानस्वी गुप्ता (96.80%)

पार्थ सैनी (96.40%)

प्रथम राव- (95.20%)

ब्राइटलैंड्स स्कूल 12वीं

नैना सागर (99%)

स्पर्श वालिया (98.5%)

अर्जुन सिंघल (98.25%)

ब्राइटलैंड्स स्कूल 10वीं

अगमया अग्रवाल (98.6%)

काव्या सती (98.6%)

एकाग्रह कक्कड़ (98.4%)

अमोघ डिमरी (98.4%)

पर्व चौहान (98.4%)

अयान अग्रवाल (98%)

जशिथ डुमका (98%)

संचित कपूर (98%)

एनडीए 156वें कोर्स में दून डिफेंस एकेडमी का ऐतिहासिक प्रदर्शन

DDA डायमंड्स ने फिर गाड़ा सफलता का झंडा

देहरादून। सैन्य प्रशिक्षण के क्षेत्र में देश के अग्रणी संस्थान दून डिफेन्स एकेडमी (DDA) ने एक बार फिर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करते हुए UPSC द्वारा घोषित NDA 156वें कोर्स के परिणामों में अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। अकादमी के छात्रों ने चयन की बड़ी संख्या और उत्कृष्ट सफलता दर के साथ न केवल संस्थान का मान बढ़ाया है, बल्कि देवभूमि उत्तराखंड को भी गौरवान्वित किया है।

इस गौरवशाली परिणाम में अकादमी के होनहार कैडेट्स पारस मान, राज मंगलम, दर्शिल रंकावत, निखिल यादव, शुभ कौशिक, कमलेश यादव और प्रज्ञा डिमरी सहित अनेक अन्य छात्रों ने अपनी जगह पक्की की है। इन सभी सफल चयनित 'DDA डायमंड्स' ने अपनी कड़ी मेहनत और संस्थान के अनुशासित मार्गदर्शन के दम पर भारतीय सशस्त्र बलों में अधिकारी बनने की दिशा में एक बड़ा कदम बढ़ाया है।

विशेष रूप से, 15 जून 2022 को स्थापित किए गए अकादमी के 'प्रथम पग' फाउंडेशन विंग ने अपने पहले ही बैच से ऐतिहासिक सफलता दर्ज कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। फाउंडेशन विंग के छात्रों का चयन इस बात का प्रमाण है कि स्कूल स्तर से ही दी जाने वाली सही दिशा और सटीक विजन भविष्य के सैन्य नेतृत्व को तैयार करने में कितनी प्रभावी है।

चयनित कैडेट्स के सर्वांगीण विकास पर जोर देते हुए संस्थान के प्रबंधक, संदीप सर ने बताया कि DDA में केवल लिखित परीक्षा ही नहीं, बल्कि SSB इंटरव्यू, व्यक्तित्व विकास, शारीरिक दक्षता और नेतृत्व क्षमता पर विशेष ध्यान दिया जाता है। इसी समग्र प्रशिक्षण का परिणाम है कि यहाँ के छात्र राष्ट्रीय स्तर की कठिन चुनौतियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। अपनी पुरानी परंपरा को कायम रखते हुए, अकादमी द्वारा प्रत्येक चयनित कैडेट को रूपये 20,000 की नकद राशि देकर सम्मानित किया जा रहा है, ताकि अन्य छात्र भी इससे प्रेरणा लेकर भविष्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें।

आज दून डिफेन्स एकेडमी अपने अनुभवी फैकल्टी, नियमित मॉक टेस्ट, और आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाओं के कारण देश भर के डिफेंस उम्मीदवारों की पहली पसंद बनी हुई है। 'हम केवल परीक्षा उत्तीर्ण कराना ही अपना लक्ष्य नहीं मानते, बल्कि देश के लिए समर्पित और मानसिक रूप से मजबूत भविष्य के अधिकारी तैयार करना हमारा मिशन है।'

दून पुस्तकालय में हिमालय से साक्षात्कार करती चित्र प्रदर्शनी का शुभारम्भ

दून पुस्तकालय एवं शोध केंद्र में आज शाम जर्मन के श्लागिंटवाईट बन्धुओं की निर्मित 170 साल पुराने चित्रों की प्रदर्शनी का शुभारम्भ हुआ। पहाड़ संस्था के प्रो. शेखर पाठक, की खास पहल से हिमालय के यह चित्र जर्मनी के म्यूनिख संग्रहालय से निकल कर आम लोगों के बीच अवलोकन के लिए पहुंचे हैं। इसमें इसे म्यूनिख संग्रहालय सहित श्लांगिटवाइट के पारिवारिक सदस्यों के साथ-साथ प्रो. हरमन क्रुत्जमैन, मैडम स्टेफनी क्लेइट, स्टीफन रिट्टर आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

आम जन के लिए प्रदर्शित हिमालय के चित्रों की प्रदर्शनी की इस श्रंखला की शुरूआत दिल्ली के इंडिया इन्टरनेशनल सैण्टर से होते हुए आज देहरादून के दून पुस्तकालय एवं शोध केन्द्र में आयी है तथा इसके बाद यह नैनीताल के सीआरएसटी कॉलेज में प्रदर्शित होने जा रही है। महत्वपूर्ण बात यह है कि दून पुस्तकालय में लगी इस प्रदर्शनी के चित्रों में आम लोगों को जम्मू कश्मीर से लेकर बदरीनाथ, केदार नाथ, मिलम,सुन्दरढूंगा, नैनीताल और पूरब में दार्जिलिंग तक के तत्कालीन इतिहास की कई शानदार झलकियां देखने को मिल सकेंगी जिनसे आम लोग सीधे साक्षात्कार कर सकेंगे। तीन जर्मन बन्धुओं की इस यात्रा कथा में शामिल इन चित्रों के जरिये लोग लगभग पौने दौ सौ साल पुराने हिमालय के विविध स्थानीय भू-दृश्यों, नदियों, पर्वत, पहाड़ों, पुल, रास्तों व मंदिरों को देख सकेगें। सही मायने में चित्र हर दर्शकों के मन में कौतूहल पैदा करने को उद्यत दिखाई पड़ते हैं।

इस कार्यक्रम में प्रो. शेखर पाठक और प्रो. हरमन क्रुत्जमैन इन संदर्भों के विविध आयामों पर अपना वक्तव्य प्रदान किया। प्रो. पाठक ने कहा कि भारत में इस प्रदर्शनी का विचार सितंबर 2015 में तब आया जब वे म्यूनिख में एक संगोष्ठी के दौरान आए थे। इसमें श्लांगिटवाइट के अभियानों पर प्रकाश डाला गया था। इस संगोष्ठी में उनके द्वारा एकत्रित कलाकृतियों, मुखौटों, नृवंशविज्ञान संबंधी वस्तुओं, मानचित्रों, मापों और अभिलेखों की एक बड़ी प्रदर्शनी भी शामिल थी। इसका मुख्य विषय श्लांगिटवाइट चित्रों को उनके अभियानों के संदर्भ में प्रदर्शित करना था। ये चित्र श्लांगिटवाइट परिवार के वारिसों द्वारा म्यूनिख के अल्पाइन संग्रहालय को दान किए गए थे।

R.N.I.: UTTHIN/2010/41629 | Postal Regd. UA/DO/DDN/01/2025-2027

जानिए कैसा होगा आपका यह सप्ताह

पं. दीपक प्रसाद, शास्त्री (मो. 9557730042)
(ज्योतिष, कर्मकाण्ड, धर्मिक अनुष्ठान आदि)

मेष राशि- स्वास्थ्य थोड़ा नरम होने की वजह से आपके कुछ काम अधूरे रह सकते हैं पर चिंता न करें। परिवार के सदस्यों का पूरा सहयोग आपके साथ बना रहेगा। पड़ोसियों के साथ किसी भी तरह के वाद-विवाद में न पड़ें। अपने विचारों और स्वभाव में संयम रखना आपके लिए बहुत जरूरी है। भाग्यशाली रंग- हरा, भाग्यशाली अंक- 2

मिथुन राशि- आप बिजनेस से जुड़ा कोई नया काम शुरू करने वाले हैं, तो किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह जरूर लें। जल्दबाजी में लिया गया फैसला आपका काम बिगाड़ सकता है। इस समय मेहनत ज्यादा और लाभ थोड़ा कम रहने वाली स्थिति बनी रहेगी। पब्लिक डीलिंग से जुड़े कामों पर आज ज्यादा ध्यान दें। भाग्यशाली रंग- आसमानी, भाग्यशाली अंक- 8

सिंह राशि- अपनी व्यस्तता के साथ-साथ परिवार की जरूरतों का ध्यान रखना भी आपका बड़ा कर्तव्य है। अपने लव पार्टनर को कोई छोटा सा उपहार जरूर दें, इससे रिश्तों में मिठास आएगी। प्रेम संबंधों में मधुरता बनी रहेगी और एक-दूसरे के प्रति लगाव बढ़ेगा। मानसिक शांति के लिए मेडिटेशन जरूर करें। भाग्यशाली रंग- सफेद, भाग्यशाली अंक- 4

तुला राशि- यह समय आपके लिए बहुत ही सावधानी से बिताने का है। बिजनेस में कुछ आर्थिक नुकसान होने जैसी स्थिति बन रही है इसलिए पूरी तरह सतर्क रहें। पार्टनरशिप वाले कामों में भी संभलकर व्यवहार करने की जरूरत है। नौकरीपेशा लोगों पर आज काम का दबाव ज्यादा रह सकता है। भाग्यशाली रंग- केसरिया, भाग्यशाली अंक- 3

धनु राशि- बिजनेस की कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने के लिए बनाई गई आपकी योजनाएं आज सफल होंगी। पार्टनरशिप से जुड़ा कोई नया काम शुरू करने के लिए यह बहुत ही उत्तम समय है। मार्केटिंग से जुड़ी गतिविधियां आज बढ़ सकती हैं। राजनीति से जुड़े लोगों और कामों से खुद को दूर रखें। भाग्यशाली रंग- सफेद, भाग्यशाली अंक- 7

कुंभ राशि- आपकी कामयाबी को देखकर कुछ लोग आपसे जलन की भावना रख सकते हैं। निवेश या इन्वेस्टमेंट से जुड़े कामों में किसी की बातों में न आएं और खुद पूरी जांच-पड़ताल जरूर करें। अपने स्वभाव में धैर्य और सहजता बनाए रखना आज आपके लिए बहुत जरूरी होगा। भाग्यशाली रंग- लाल, भाग्यशाली अंक- 1

वृषभ राशि- वर्तमान में चल रही गतिविधियों पर ही अपना पूरा ध्यान रखें। पार्टनरशिप जैसा कोई नया काम शुरू करने के लिए अभी समय आपके पक्ष में नहीं है। कोई पुरानी रुकी हुई पेमेंट या उधार दिया हुआ पैसा आज समय पर मिल जाएगा। नौकरीपेशा लोगों को अपनी कार्यप्रणाली में बदलाव से अच्छे परिणाम मिलेंगे। भाग्यशाली रंग- लाल, भाग्यशाली अंक- 1

कर्क राशि- कार्यस्थल पर कर्मचारियों की वजह से आ रही समस्याओं को आप अपनी सूझबूझ से सुलझा लेंगे। प्रॉपर्टी से जुड़ी आज कोई बहुत अच्छी डील फाइनल हो सकती है। नौकरीपेशा लोग अपने बॉस और अधिकारियों के साथ संबंध अच्छे रखें। आपकी कड़ी मेहनत जल्दी ही आपको लक्ष्य तक पहुंचाएगी। भाग्यशाली रंग- बादामी, भाग्यशाली अंक- 5

कन्या राशि- पार्टनरशिप से जुड़ी योजनाओं को पूरा करने के लिए यह बहुत ही अनुकूल समय है। इस समय बिजनेस में आपको कुछ नए और अच्छे प्रस्ताव मिलेंगे। कार्यभार थोड़ा ज्यादा बना रहेगा। नौकरीपेशा लोगों को काम में किसी गलती की वजह से मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए सावधान रहें। भाग्यशाली रंग- नीला, भाग्यशाली अंक- 7

वृश्चिक राशि- आर्थिक स्थिति आज सामान्य ही बनी रहेगी। व्यक्तिगत कामों में बहुत ज्यादा व्यस्त रहने की वजह से आपके कई जरूरी काम अधूरे रह सकते हैं। सरकारी नौकरी करने वालों को आज अतिरिक्त कार्यभार संभालना पड़ सकता है। आप अपने आत्मविश्वास के बल पर हर काम समय पर पूरा कर लेंगे। भाग्यशाली रंग- बैंगनी, भाग्यशाली अंक- 4

मकर राशि- पारिवारिक माहौल बहुत ही सुखद और शांतिपूर्ण बना रहेगा। युवा वर्ग प्रेम संबंधों के बजाय अभी अपने करियर और भविष्य पर ज्यादा ध्यान दें। जीवनसाथी के साथ आपसी तालमेल घर की व्यवस्था को और भी ज्यादा मजबूत बनाएगा। सिर दर्द और माइग्रेन की समस्या आज आपको परेशान कर सकती है। भाग्यशाली रंग- गुलाबी, भाग्यशाली अंक- 9

मीन राशि- कोई भी बड़ा निर्णय लेने से पहले परिस्थितियों की पूरी जानकारी जरूर लें वरना कोई आपकी भावनाओं का गलत फायदा उठा सकता है। युवा वर्ग अपने भविष्य और करियर पर ज्यादा ध्यान दें। जोश में आकर किसी से भी ऐसा वादा न करें जिसे पूरा करना आपके लिए मुश्किल हो। भाग्यशाली रंग- हरा, भाग्यशाली अंक- 6